बर्षः- 05
अंकः- 334
मुरादाबाद
(Monday)
30 March 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
मुरादाबाद से प्रकाशित
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

MANN KI BAAT:

हमारे पड़ोस में भीषण युद्ध चल रहा;मन की बात में PM मोदी बोले- अफवाहों से बचें, संयम बनाए रखें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज सुबह 11 बजे आकाशवाणी पर प्रसारित होने वाले मन की बात कार्यक्रम के जरिए देश और विदेश के लोगों से अपने विचार साझा किए। यह कार्यक्रम का 132वां एपिसोड और वर्ष 2026 का तीसरा प्रसारण है।मन की बात देश के लोगों से सीधा संवाद का मंच माना जाता है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से साझा किया कि जब समाज स्वयं पहल करता है, तो छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े बदलाव की नींव बन जाते हैं।

उन्होंने बताया कि देश के विभिन्न हिस्सों में ऐसे कई प्रेरक उदाहरण सामने आ रहे हैं। मोदी ने हाल ही में उत्तर प्रदेश के वाराणसी में हुए एक प्रेरक प्रयास का जिक्र किया। वहां सिर्फ एक घंटे में 2 लाख 51 हजार से अधिक पौधे लगाए गए और इस प्रयास ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस काम की सबसे खास बात यह थी कि हजारों लोग एक साथ जुड़े। छात्र, जवान, स्वयंसेवी संगठन और विभिन्न संस्थाओं ने मिलकर इसे संभव बनाया। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि यह जनभागीदारी का स्वरूप पहले से ही %एक पेड़ माँ के नाम% अभियान में दिखाई देता है। इस अभियान के तहत पूरे देश में करोड़ों पेड़ लगाए गए हैं, जो पर्यावरण संरक्षण और हरित भारत के लक्ष्य को साकार करने में मदद कर रहे हैं।

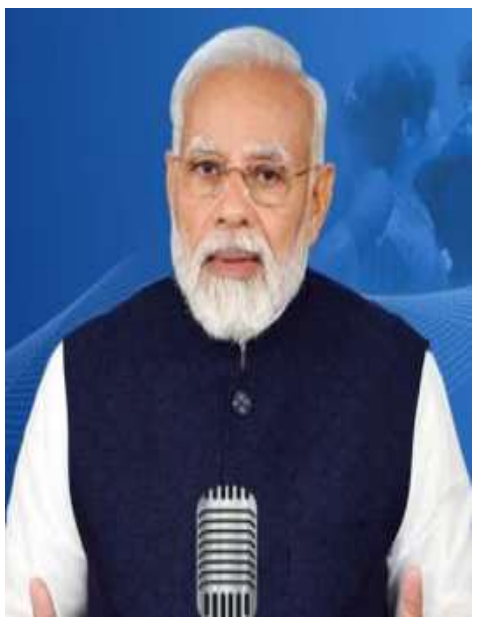

प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों से जल संरक्षण को लेकर जागरूक रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि गर्मियों की शुरुआत हो चुकी है और यह समय जल संरक्षण के संकल्प को दोहराने का है। पीएम मोदी ने बताया कि पिछले 11 वर्षों में जल संचय अभियान ने देशभर में लोगों को जल संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूक किया है। इस अभियान के तहत करीब 50 लाख कृत्रिम जल संचयन संरचना बनाए गए हैं। प्रधानमंत्री ने खुशी व्यक्त की कि अब गांव-गांव में सामुदायिक स्तर पर जल संकट से निपटने के प्रयास शुरू हो गए हैं। कई स्थानों पर पुराने तालाबों की सफाई की जा रही है और बरसात के पानी को सहेजने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। मोदी ने बताया कि अमृत सरोवर अभियान के तहत देशभर में लगभग 70 हजार अमृत सरोवर बनाए गए हैं। बारिश का मौसम आने से पहले इन सरोवरों की साफ-सफाई भी शुरू हो गई है, जिससे जल संरक्षण और बेहतर जल प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा। मोदी ने कहा कि त्रिपुरा की जंपुई पहाड़ियों में स्थित वांगमुन गाँव 3000 फीट की ऊंचाई पर बसा है और कभी पानी की गंभीर कमी से जूझ रहा था। गर्मियों में गाँव के लोग पानी के लिए लंबी दूरी तय करते थे।प्रधानमंत्री ने बताया कि गाँव वालों ने बारिश के पानी को सहेजने का संकल्प लिया। आज लगभग हर घर में रूफटॉप रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित हो गया है और यह गाँव अब जल संरक्षण की प्रेरक मिसाल बन चुका है। मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में किसानों ने छोटे रिचार्ज तालाब और सोखता गड्ढे बनाकर बारिश के पानी को खेतों में संरक्षित किया। इससे पानी धीरे-धीरे जमीन के अंदर चला गया।

प्रधानमंत्री ने बताया कि आज इस मॉडल को 1200 से अधिक किसान अपना चुके हैं और क्षेत्र का ग्राउंड वॉटर लेवल काफी बेहतर हो गया है। प्रधानमंत्री ने तेलंगाना के मंचेरियाल जिले के मुधिगुंटा गाँव का उदाहरण भी साझा किया। गाँव के 400 परिवारों ने अपने घरों में सोख गड्ढे बनाए और पानी संरक्षण का एक जन-आंदोलन खड़ा किया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से फिटनेस और स्वास्थ्य पर ध्यान देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस अब 100 दिन से भी कम समय में आने वाला है और पूरी दुनिया में योग के प्रति आकर्षण लगातार बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने बताया कि अफ्रीका के जिबूती में अल्मिस जी अपने अरविंद योग सेंटर के माध्यम से योग को बढ़ावा दे रहे हैं। वे वहां के कई और स्थानों पर भी लोगों को योग सिखाते हैं और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाते हैं। मोदी ने सोशल मीडिया से जुड़े उदाहरण भी साझा किए। उन्होंने कहा कि इंस्टाग्राम कंटेंट क्रिएटर युवराज दुआ की पोस्ट पर उनके पिता के शुगर सेवन को कम करने के अनुरोध पर उन्होंने प्रतिक्रिया दी। इससे उनके पिता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। प्रधानमंत्री ने देशवासियों से भी आग्रह किया कि वे शुगर का सेवन कम करें और खाने के तेल में 10 प्रतिशत की कटौती करें। उन्होंने कहा कि यह छोटे-छोटे कदम हमारे स्वास्थ्य और फिटनेस के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को क्रिकेट के मैदान से जुड़ी हालिया उपलब्धियों पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह महीना देशभर के क्रिकेट प्रेमियों के लिए जोश और उत्साह से भर देने वाला रहा है। भारत ने T20 वर्ल्ड कप में ऐतिहासिक जीत दर्ज की, जिससे पूरे देश में खुशी की लहर दौड़ गई। पिछले महीने कर्नाटक के हुबली में हुए रोमांचक मुकाबले में जम्मू-कश्मीर की क्रिकेट टीम ने रणजी ट्रॉफी अपने नाम की। प्रधानमंत्री ने बताया कि यह टीम करीब 7 दशकों के इंतजार के बाद अपना पहला रणजी खिताब जीतने में सफल रही। टीम के कप्तान पारस डोगरा ने अपने नेतृत्व और कौशल से इस जीत में अहम योगदान दिया। प्रधानमंत्री ने इस सफलता को खिलाड़ियों की वर्षों की मेहनत और निरंतर प्रयास का परिणाम बताया। इस रणजी सीजन में जम्मू-कश्मीर के गेंदबाज आकिब नबी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 60 विकेट लिए। इस जीत ने खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ और पूरे राज्य के लोगों में गर्व और उत्साह बढ़ा दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह सफलता युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करेगी और जम्मू-कश्मीर को बड़े खेल आयोजनों का केंद्र बनाने में मदद करेगी। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर के युवा खेलों के प्रति गहरा उत्साह रखते हैं। गुलमर्ग, खेलो इंडिया विंटर गेम्स के लिए पहले ही प्रसिद्ध हो चुका है। साथ ही, यहां फुटबॉल और अन्य खेलों में भी युवाओं की भागीदारी बढ़ रही है। मोदी ने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में जम्मू-कश्मीर के खिलाड़ियों की जीत का यह सिलसिला लगातार जारी रहेगा।पीएम मोदी ने कहा आज मन की बात में एक ऐसे प्रयास के बारे में बताना चाहता हूं, जो देशवासियों की जनभागीदारी की भावना को दर्शाता है। ये प्रयास है - ज्ञान भारतम सर्वे, जिसका संबंध हमारी महान संस्कृति और समृद्ध विरासत से है। इसका उद्देश्य देशभर में मौजूद पांडुलिपियों यानि पांडुलिपियों के बारे में जानकारी जमा करना है। इस सर्वे से जुड़ने का एक माध्यम, ज्ञान भारतम ऐप है आपके पास अगर कोई पांडुलिपियों है, पांडुलिपि है, या उसके बारे में जानकारी है, तो उसकी फोटो %ज्ञान भारतम एप% पर जरूर साझा करें। हर एंट्री से जुड़ी जानकारी को दर्ज करने से पहले उसकी पुष्टि भी की जा रही है। मुझे इस बात की खुशी है कि अब तक हजारों पांडुलिपियों पांडुलिपि लोगों ने शेयर की हैं। उदाहरण के तौर पर अरुणाचल प्रदेश के नामसाई के चाओ नंतिसिन्ध लोकांग जी ने ताई लिपि में पांडुलिपियाँ साझा की हैं। अमृतसर के भाई अमित सिंह राणा ने गुरुमुखी लिपि में पांडुलिपि शेयर की हैं। यह हमारी महान सिख परंपरा और पंजाबी भाषा से जुड़ी लिपि है। कुछ संस्थाओं ने ताड़ के पत्ते पर लिखी पांडुलिपियाँ दी हैं। ग्रंथालय ने ताम्रपत्रों पर लिखी बहुत पुरानी पांडुलिपियाँ share की हैं। वहीं, लद्दाख की हामिस मोनेस्ट्री ने तिब्बती में बहुमूल्य पांडुलिपियों के बारे में जानकारी दी है। यहाँ पर मैंने कुछ ही उदाहरण दिए हैं। यह सर्वे, जून के मध्य तक जारी रहने वाला है । आप सभी से मेरा आग्रह है कि अपनी संस्कृति से जुड़े पहलुओं को सामने लाएं और शेयर करें ।

संक्षिप्त समाचार

किसी भी पार्टी का नेता हो गोमाता की रक्षा करनी पड़ेगी, अविमुक्तेश्वरानंद बोले-हम सरकारी नहीं असरकारी संत

अंबेडकरनगर में अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि किसी भी पार्टी का नेता हो गोमाता की रक्षा उसे करनी पड़ेगी। हम सरकारी नहीं असर-कारी संत हैं।यूपी के अंबेडकरनगर में रविवार सुबह शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के चरण पादुका पूजन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसके बाद वह मीडिया से रूबरू हुए। ज्ञात हो कि वह शनिवार को जनपद पहुंचने के बाद टांडा के गोवर्धनपुर में ज्योर्तिमठ उत्तराखंड के वित्त विभाग के प्रमुख मदन मोहन उपाध्याय के आवास पर रात रुके थे।शंकराचार्य ने अपने धर्मयुद्ध यात्रा के बारे में बताया कि आगामी तीन मई से 23 जुलाई तक पूरे प्रदेश में होगी। यह यात्रा गोमाता की अनदेखी और अन्याय के विरोध में निकाली जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को 40 दिन में स्थिति में सुधार का समय दिया था, लेकिन उन्होंने कोई काम नहीं किया। गोमाता की रक्षा किसी भी पार्टी का नेता हो उसे करनी पड़ेगी। हम हिंदू इस बात के लिए तैयार नहीं हैं कि हमारी माता को काट-काट कर डॉलर के लिए बेचा जाए।सरकारी संतों से भला नहीं होने वाला-मी रामभद्राचार्य से विवाद पर कहा कि संत दो तरह के हो गए हैं, सरकारी और असर-कारी। हम स्वयं को असर-कारी श्रेणी में रखना चाहते हैं। सरकारी संतों से भला नहीं होने वाला है। अन्याय और अत्याचार पर सरकारी संत सत्ता के लिए ही बोल रहे हैं।

गुजरात में दलित-आदिवासियों पर बढ़ते अत्याचार का आरोप, राहुल गांधी ने उठाया ऊना कांड का मुद्दा

राहुल गांधी ने गुजरात में दलित और आदिवासी समुदायों पर बढ़ते अत्याचार का आरोप लगाया। ऊना कांड के पीड़ितों को अब तक न्याय न मिलने पर जताई चिंता। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुजरात में दलित और आदिवासी समुदायों के खिलाफ बढ़ते अत्याचार को लेकर केंद्र और राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में नफरत, भेदभाव और हिंसा का माहौल लगातार गहराता जा रहा है।ऊना कांड का फिर उठाया मुद्दा-राहुल गांधी ने 2016 के ऊना कोड़े मारने की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि यह घटना पूरे देश को झकझोर देने वाली थी। उस समय चार दलित युवकों को सार्वजनिक रूप से पीटा गया था। उन्होंने कहा कि करीब एक दशक बीत जाने के बावजूद पीड़ितों को अब तक न्याय नहीं मिल सका है, जो अपने आप में एक बड़ी विफलता है।

प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के बाद बयान-राहुल गांधी ने हाल ही में गुजरात से आए दलित और आदिवासी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कई पीड़ितों की आपबीती सुनी। उन्होंने बताया कि कुछ मामलों में लोगों को इतनी बेरहमी से पीटा गया कि उनके शरीर में कई फ्रैक्चर हो गए, वहीं एक अन्य मामले में व्यक्ति को जिंदा जला दिया गया। %डर और अन्याय का माहौल%-कांग्रेस नेता ने कहा कि ये घटनाएं सिर्फ अलग-अलग अपराध नहीं हैं, बल्कि एक ऐसे माहौल की तस्वीर पेश करती हैं जहां डर और अन्याय हावी है। उन्होंने आरोप लगाया कि जो लोग अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाते हैं, उन्हें धमकियों, हिंसा और यहां तक कि हत्या के जरिए दबाने की कोशिश की जाती है।

न्याय मिलने तक जारी रहेगा संघर्ष- राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा शासित गुजरात में दलितों और आदिवासियों के खिलाफ अत्याचार बढ़े हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि यह मॉडल अब पूरे देश में लागू किया जा रहा है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है।

राहुल गांधी ने कहा मैं पहले भी इन परिवारों के साथ खड़ा था, आज भी हूं और तब तक उनकी आवाज उठाता रहूंगा जब तक उन्हें न्याय नहीं मिल जाता। उन्होंने सोशल मीडिया पर भी कहा कि ऊना के पीड़ित पिछले 10 वर्षों से न्याय के लिए दर-दर भटक रहे हैं।

सपा की समानता भाईचारा रैलीः कल भी एक रैली हुई, उसमें लोग आए नहीं थे, उन्हें लाया गया, अखिलेश का BJP पर हमला

ग्रेटर नोएडा के दादरी में आयोजित सपा की समानता भाईचारा रैली में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि रैली में आने से पहले मुझे कुछ एटीएम की बातें सुनने को मिली हैं। हम लोग तो 10 साल से सरकार में नहीं हैं। तंज करते हुए कहा कि एटीएम के ए पर कुछ लोग बहुत मेहरबान रहते हैं। भाजपा के बाद आज रविवार को समाजवादी पार्टी (सपा) ने रैली कर विधानसभा चुनाव के अभियान का आगाज किया। सपा ने दादरी में समाजवादी समानता भाईचारा रैली का आयोजन किया। इस रैली में सपा प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव शामिल हुए और कार्यक्रम को संबोधित किया। अखिलेश यादव ने कहा, पंडाल पूरा भरा दिखाई दे रहा है, पंडाल की बनावट भी ऐसी है, जिसमें जो रंग छनकर आ रहा है, वह भी पूरा लाल (पार्टी के झंडे का रंग) नजर आ रहा है। इसके लिए उन्होंने सपा नेता राजकुमार भाटी की सराहना की। अखिलेश यादव ने आगे बिना नाम लिए भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि, इस रैली की चर्चा ने न जाने कितनों लोगों के होश उड़ा दिए। इस रैली ने न केवल होश उड़ाया, बल्कि उन्हें मजबूर कर दिया। मजबूरी में उन्होंने क्या फैसला लिया कि हमारी रैली से पहले वह रैली करेंगे। कल भी रैली हुई थी, उसकी तो पोल हमारे बहुत से लोगों ने खोल दी है। यह नया जमाना है, कोई कैमरे से नहीं बच सकता है। उस रैली में लोग आए नहीं थे, लोगों को लाया गया था।रैली के लिए सरकारी कर्चचारियों का सहारा लेना पड़ा- अखिलेश यादव

अखिलेश यादव ने कहा, जो पार्टी अपने आप को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बोलती है, उस पार्टी के नेताओं को रैली के लिए अपने सरकारी कर्मचारियों का सहारा लेना पड़ा। न केवल सहारा लेना पड़ा, बल्कि कुछ दिन पहले एक संस्था की वजह से देश-दुनिया में भी, वह विवादित रोबोट जो दिखाया गया। सुनने में आया है उस संस्थान से छात्रों को बुलाया और कहा गया कि रैली के बाद छुट्टी दी जाएगी। आप जानकारी कर लेना, जहां-जहां से छात्र आए थे उन सब छात्रों को लंबी छुट्टी दी गई है। सात में से छह एयरपोर्ट बंद- अखिलेश यादव- अखिलेश यादव ने आगे हमला बोलते हुए कहा, जो लोग हवाई अड्डे का उद्घाटन कर रहे थे, जिन लोगों ने खबरें ठीक से पढ़ी होंगी। पहले भी इस सरकार में एयरपोर्ट्स के उद्घाटन हुए हैं, उनमें से सात एयरपोर्ट में छह बंद हो गए हैं। कम से कम इस एयरपोर्ट के उद्घाटन के समय यह वादा करके जाते कि इसे बेचा नहीं जाएगा। लगता तो ऐसा है कि यह उद्घाटन ही बेचने के लिए हुआ है। कल रैली में प्रधानमंत्री ने सपा पर बोला था हमला- बता दें कि कल शनिवार को प्रधानमंत्री ने नोएडा एयरपोर्ट के उद्घाटन के बाद रैली को संबोधित किया था। जिसमें उन्होंने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा वालों ने नोएडा को अपना एटीएम बना लिया था। जबकि भाजपा ने लूट को रोका और विकास कराए। वहीं सीएम ने वर्ष 2002 से लेकर 2017 तक विकास नहीं होने की बात कही और सपा व कांग्रेस का नाम लिया था।

संपादकीय Editorial

There is no 'oil emergency' in India.

Prime Minister Modi held discussions with state Chief Ministers via video conferencing. This is the federal nature of our democracy. The Prime Minister must have discussed not only the situation in West Asia, but also the global situation arising from the Iran war. Similar federal discussions were held during the COVID-19 pandemic. At that time, a particularly virulent, deadly infection spread across the world. Along with the lockdown in India, several strict measures were also taken. Our economy went into a tailspin. The atmosphere and situation were extremely dire. However, today the situation is not the same. The supply of oil, gas, fertilizers, etc. has been disrupted, leading to a shortage. It is indeed a period of crisis. The 'black sheep' of rumors and propaganda have also started spreading fake news about the lockdown. A section of the media even published analyses that the country's oil and gas stocks only last for 7-9 days. Perhaps this has panicked the common man, leading to crowds at petrol pumps, and even violence. The police have also been attacked. The Petroleum Ministry has revealed that the country has a 60-day stockpile of petrol, diesel, and cooking gas (LPG). The government has booked crude oil for the next 60 days. Approximately 800,000 tons of LPG cargoes have been secured. They are coming from Russia, the United States, Australia, and other countries. Crude oil is also arriving from Saudi Arabia, the United Arab Emirates, Iraq, Russia, and other countries. This supply has been ensured for 60 days. Not a single one of the country's 100,000 petrol pumps has run out of petrol or diesel. The supply is continuous. The country consumes approximately 33 million metric tons of LPG annually, and our refineries are producing an average of 50,000 tons of LPG daily. Production has been increased by 40 percent. If hoarders, black marketers, profiteers, thieves, looters, and anti-nationals are not convinced by this government disclosure, what other alternative medium exists in the country that can inform the nation about the updated oil and gas situation? You may be anti-government, anti-Prime Minister, anti-policy, but political bias should not reach the level of anti-India. Crisis, disaster, and immediate setback seem like synonymous terms, but they describe different situations. The US and Israel launched a war against Iran, and Iran retaliated by destroying Gulf oil and gas facilities, razing 17 US bases to the ground. As a result, 113 countries in Asia, Europe, Africa, and the Global South are being affected. Countries like Australia, New Zealand, Vietnam, Cambodia, Myanmar, the Philippines, Slovakia, Canada, Thailand, Nigeria, Laos, Germany, and France have implemented states of emergency, car-free days, petrol pump closures, rationing, and odd-even rules. Developed countries like Japan have had to release their oil reserves. The global LPG shortage is being reported at 140 billion tons. The crude oil crisis is a separate issue. Petrol and diesel prices have also risen 22 percent in the United States. By and large, India is not currently in a state of emergency. The government has not increased the prices of petrol and diesel for the common man. Modi may have discussed these issues with Chief Ministers.

Americans are afraid of Indians, restrictions are also harmful to America.

According to Pew Research, Hindus and Indians are the most educated in America, with 70% having a bachelor's degree or higher. The article also highlights the patriotism of Indians, while some Indian intellectuals present a negative image of India abroad. Pew Research: Indians are the most educated community in America. Indians have a deep love for their country. Americans are afraid of the success of Indians, restrictions are harmful. A recent Pew Research report stated that Hindus are the most educated of all religious groups in America, followed by the Jewish community. 70 percent of Hindus have a bachelor's degree or higher. Similarly, 65 percent of Jews have a bachelor's degree or higher. Compared to these two groups, only 35 percent of Americans have such an education. Four out of ten among Muslim, Buddhist, and Christian groups have a bachelor's degree. Protestant Christians also have above-average education, while Catholics have a lower education than the national average. A Pew Research report also indicates that most Indians who have come to the United States have pursued higher education. Another report stated that Indians have very few complaints about India. They do not participate in campaigns aimed at criticizing their own country. Only three percent of Indians hold negative opinions about their country. The number of people who dislike their country is 20 percent in the United States and 29 percent in Britain. People in countries like India, Spain, Canada, Indonesia, and others are also proud of the many languages ??spoken in their countries. This conclusion was drawn from interviews with 30,000 people from 25 countries. Among the three percent who criticize their own country, India, the majority appear to be intellectuals, especially those working in the field of education. This author witnessed an example of this during a recent visit to the United States. A symposium on India was held at a major university. The speakers were senior Indian professors from the university. Throughout his nearly two-hour address and the PPT presentation, he repeatedly reiterated that this country has this evil, that evil. Nothing has happened here. Economically and educationally, it's backward. Women's performance is particularly poor. The statistics he presented were somehow sourced from nowhere. They painted a picture of India as a deeply backward country. Undoubtedly, much remains to be done for our population, but the claim that nothing has been done is beyond the facts. After the symposium, this writer went to meet the professor and asked him why he had assumed that India held no hope and was a worthless country. Since he was an acquaintance, he accompanied him as he left. What he said as he sat in his car was astonishing. He said, "If we don't do this, who will care about us?" In other words, if someone asks us, if our careers flourish, if we reach the pinnacle of fame, then we will say that India is worthless." After all, what is this if not dishonesty? A few decades ago, a girl I knew worked for a large international organization, frequently traveling to many countries. Once, she went to a seminar in the United States. An American girl, upon seeing her, asked with disgust, "What are you doing here? What do you know?" On the one hand, Pew Research suggests that Indians, mostly Hindus, are the most educated. On the other hand, Trump's statements in recent years confirm his fear that Indians might destroy what little space he has left. Therefore, various restrictions are being imposed on Indians to prevent them. One reason for this is that American citizens have no particular interest in education and improving their skills. That's why educated people from around the world work in large numbers in America's various world-renowned organizations. Indians dominate Silicon Valley, which America boasts of. Therefore, efforts are now being made to prioritize Americans in employment. Such statements are being made by the US government itself. After all, who can stop this from happening? But to do so, we must also develop that capability in our citizens. Although major American industrialists have said that stopping Indians would be detrimental to America itself. Indians generally have a very positive image abroad. An Indian woman working for Australia's largest radio group once said that we are considered a peace-loving group, minding our own business. I also experienced the patriotism of Indians that Pew Research described. Once, while traveling to France, I met a Muslim woman. She sadly said that she hadn't been to India in five years. She misses her country terribly. There is nothing better than her own. Her eyes filled with tears as she said this. In fact, it is this country that nurtures us and gives us our identity, but some people forget this. Surprisingly, most of them are intellectuals.

Assembly elections with far-reaching implications, sweeping decisions ranging from SIR to delimitation

An analysis of the upcoming assembly elections in four states and one union territory over the next month and a half. This article highlights factors such as leadership, anti-incumbency, and political narrative. The upcoming assembly elections in four states and one union territory. Leadership, anti-incumbency, and narrative will determine the electoral outcome. The 2029 Lok Sabha elections, delimitation, and women's reservation will have far-reaching implications. New governments will be formed in four states and one union territory over the next month and a half. All eyes are on whether the ruling party in these states wins back the mandate or whether the opposition parties take over. Clearly, decisions taken in the public interest are a major factor in the return to power, but the credibility of the leadership of various parties is also an important factor. The public assesses how well the respective parties will be able to secure not only their own future but also the future of their children. While this is limited in assembly elections, the scale often extends beyond family and children to the nation. These factors will play a significant role in the electoral states.

There isn't much uncertainty regarding Assam, and this is largely due to the fact that even opposition Congress leaders seem dissatisfied with their preparations. The ruling BJP currently stands far ahead in terms of leadership, performance, and narrative. Infiltration remains a major issue in the state, and the BJP is championing it. Puducherry is a Union Territory, influenced by Tamil Nadu politics. Therefore, the nation is particularly interested in Tamil Nadu, Kerala, and, most importantly, West Bengal. Given Bengal's demographics and the political landscape of Mamata Banerjee, who has been in power for 15 years, no one is inclined to predict that she won't be able to return to power for a fourth time. However, one factor is particularly prominent in these three states: anti-incumbency. Nearly a quarter of Bengal's seats have Muslim voters exceeding 30 percent, and they are opposed to the BJP based on narrative. This is a major base of Mamata's electoral strength, but she realized last time that the ground was crumbling. A large segment of the population yearns for development and yearns for change. The intelligentsia is also distraught over many of the Trinamool government's policies. The brutality against women, from Sandeshkhali to RG Kar Medical College, has shaken women's safety and sensitivities. Opposition parties are rekindling this. The Mamata government will likely be unaware of this, but it's unclear what they are doing to allay the fears of the elite. It's believed that this time's Bengal election will be primarily fought in Kolkata Presidency or Greater Kolkata, where the BJP failed last time. Howrah, Hooghly, South and North 24 Parganas, and Nadia comprise approximately 125 seats. Last time, senior BJP leaders didn't campaign in this region. Due to COVID, Prime Minister Modi decided not to campaign in the last three phases. Even opposition parties don't rule out Modi making some changes to his campaigning in the final days. The two-phase elections in Bengal, as opposed to the usual eight, could be crucial. This time, the elections will conclude within a week. This is expected to significantly limit the activities of miscreants. Despite all this, Mamata Banerjee is not being written off, as during her long political struggle, she has proven herself a fighter and, to a large extent, represents the mood of Bengal. A victory would establish her as the most prominent leader among the opposition parties, but if she loses, it would be a bigger victory for the BJP than in Bihar, Delhi, and Maharashtra. It will gain new ground for expansion, and its impact will last until 2029. It also poses a significant challenge, as changing the political culture of Bengal is not easy. Last time, there was anti-incumbency in Kerala, but due to internal conflict, the Congress-led UDF lost again to the CPI(M)-led LDF. The CPI(M), which holds national party status, may disappear from national politics this time. It would be inaccurate to attribute this shrinking of the Left ideology to just one state assembly. Experts also attribute the Congress's declining graph to this ideology. The Left parties lost to Mamata Banerjee in Bengal, the BJP in Tripura, and are now on the verge of being wiped out by the Congress in Kerala. A further problem for the Left Front in Kerala is that the lotus is beginning to bloom there. The BJP has usurped the Left's five-decade rule in the Trivandrum Municipal Corporation. If the Left gains a foothold in the Assembly, the Left's Hindu support base could be shaken. In such a situation, Kerala could bring significant relief to the Congress. Since the 2024 Lok Sabha elections, elections have been held in half a dozen states, and the Congress has received no positive news. In Jammu and Kashmir, the Omar Abdullah government marginalized the Congress. In Jharkhand, the Hemant Soren government certainly secured representation, but lacked credibility. Meanwhile, the BJP and NDA have won in Haryana, Maharashtra, Bihar, and Delhi. Opposition parties trying to oust MK Stalin from power in Tamil Nadu are banking on the hope that anti-incumbency will work. While this is a factor, the leadership needed for an election is currently lacking in the AIADMK, which will lead the NDA. Cine stars wield influence in this state, and this time, the state's youth appear to be on Vijay's side. However, if they themselves carry the anti-incumbency vote, Stalin's path will become easier. This will not bode well for the BJP, as the party, like in Kerala, is looking to lay a foundation for the future here. Before the 2029 Lok Sabha elections, delimitation will also take place, the number of seats will increase, and women's reservations will be implemented. Therefore, the impact of these elections, held alongside the SIR, will be felt far and wide.

चंदौसी पुलिस की मुठभेड़ में डकैती का एक बदमाश गिरफ्तार, साथी हुआ फरार; पैर में लगी गोली

चंदौसी पुलिस ने असालतपुर जारई डकैती मामले में एक बदमाश को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। पुलिस की जवाबी फायरिंग में बदमाश रवि के पैर में गोली लगी।चंदौसी पुलिस ने मुठभेड़ में

डकैती के बदमाश को पकड़ा- बदमाश रवि के पैर में गोली लगी, अस्पताल में भर्ती- एक अन्य
बदमाश राजेंद्र मौके से फरार, तलाश जारीकोतवाली पुलिस की असालतपुर जारई में परिवार को
बंधक बनाकर डकैती की घटना को अंजाम देने वाले बदमाश को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। पुलिस
की जवाबी कार्रवाई में बदमाश के बाएं पैर में गोली लगी है। घायल बदमाश को प्राथमिक उपचार
के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। जबकि एक बदमाश पुलिस को चकमा देने में सफल
रहा। वहीं पुलिस ने बदमाश की गिरफ्तारी के साथ घटना का खुलासा कर दिया है। मुठभेड़ में
बदमाश गिरफ्तार, पैर में लगी गोली-एएसपी कुलदीप सिंह ने बताया कि चंदौसी पुलिस असालतपुर
जारई की डकैती की घटना में बदमाशों में तलाश कर रही थी। कैथल से बुधनगर खंडवा की ओर
जाने वाले रास्ते पर एक बाइक पर दो व्यक्ति आते दिखाई दिए। पुलिस की गाड़ी देखकर आरोपितों
ने बाइक कच्चे रास्ते में उतार दी और तेजी से जाने लगे। पुलिस ने जब रोकने का प्रयास किया
तो आरोपितों ने फायरिंग कर दी।चंदौसी पुलिस ने मुठभेड़ में डकैती की घटना में बदमाश
को पकड़ा- जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें एक गोली पीछे बैठ बदमाश के
पैर में लगी और बाइक जमीन पर गिर गई। बाइक गिरते ही दूसरा बदमाश मौके से भाग गया। पुलिस
ने घायल बदमाश को पकड़ लिया।फरार बदमाश की तलाश में जुटी पुलिस- ये दोनों बदमाश
असलातुर जारई गांव में डकैती की घटना में शामिल थे। पुलिस भागे हुए बदमाश की तलाश में जुटी है। वहीं घायल बदमाश को चंदौसी के अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद रेफर किया गया है।

मैनाठेर कांड: सजा सुनते ही फूट-फूटकर रोने लगे दोषी, कोर्ट परिसर में खड़े परिजन भी बिलख पड़े

मैनाठेर बवाल मामले में मुरादाबाद की अदालत ने 16 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। फैसला सुनते ही कोर्ट कक्ष में मौजूद सभी दोषी फूट-फूटकर रोने लगे, कोई सिर पकड़कर बैठ गया तो कोई जमीन पर बैठकर बिलखता नजर आया। जैसे ही सजा की खबर बाहर पहुंची, कचहरी परिसर में मौजूद परिजन भी रो पड़े।मुरादाबाद में 15 साल पहले मैनाठेर क्षेत्र में उत्पात मचाने वाले

16 दोषी शनिवार को बेबस नजर आए। आजीवन कारावास की सजा सुनते ही कोर्ट में फूट-
फूटकर रोने लगे। इसकी जानकारी जैसे ही कोर्ट के बाहर आई तो उनके परिजन भी बिलख पड़े।
कुछ देर के लिए कचहरी का माहौल भावुक हो गया। एडीजे-दो की अदालत में मैनाठेर बवाल के
दोषियों को शनिवार को सजा सुनाई जानी थी लेकिन उनके परिजन सुबह से ही कचहरी में पहुंच गए
थे। कड़ी सुरक्षा के बीच पुलिस सभी दोषियों को जिला जेल से कचहरी लेकर पहुंची और सीधे
एडीजे-दो की कोर्ट के सामने गेट के पास वाहन लगा दिया।दोपहर करीब एक बजे एडीजे-दो की
कोर्ट ने 16 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट कक्ष में मौजूद सभी दोषी फूट-
फूटकर रोने लगे। किसी ने अपना सिर पकड़ लिया तो कोई जमीन पर बैठकर रोने लगा। बताया जा
रहा है कि एक-दूसरे को पकड़कर बिलखते नजर आए। दोषी कासिम के पिता इकबाल तो कोर्ट के
सामने पार्क में पेड़ के नीचे बैठकर रोने लगे। बोले कि मेरा इकलौता बेटा है।मैनाठेर थाने की सुरक्षा
बढ़ाई- मैनाठेर बवाल के दोषियों को शनिवार को सजा सुनाई गई। क्षेत्र में किसी तरह का बवाल या
हंगामा न हो। इसके लिए पुलिस भी अलर्ट रही। मैनाठेर थाने में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया
गया।जिस मुकदमे को सपा करा रही थी वापस, अदालत ने उसमें दोषियों को सुनाई सजा- पूर्व डीजीपी- पूर्व डीजीपी एवं राज्यसभा सांसद बृजलाल ने मैनाठेर बवाल के दोषियों को आजीवन कारावास
की सजा के एलान का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि सपा अपने कार्यकाल में इस मुकदमे को वापसी करने में जुटी थी लेकिन अदालत इस मामले में शुरुआत से गंभीर थी और उस वक्त की सरकार
की ओर से दाखिल की गई अर्जी को खारिज करते हुए मुकदमे की सुनवाई जारी रखी थी।उन्होंने कहा कि 2012 में सत्ता परिवर्तन के साथ ही आईपीएस अफसर पर हमले की घटना को सपा सरकार
मामूली मानने लगी थी। कुछ नेता और उनके समर्थकों को खुश करने के लिए सपा सरकार ने इस मुकदमे को वापस लेने का निर्णय लिया था लेकिन कोर्ट ने सपा की अर्जी खारिज कर दी थी।उसका
ही नतीजा है कि आज अदालत ने इस मामले में अहम फैसला सुनाते हुए 16 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। उनका कहना है कि बाकी मुकदमों की भी दोबारा जांच की जाए ताकी
मैनाठेर बवाल की साजिश रचने वाले आरोपी भी सलाखों के पीछे जाएं।धमकी और तबादलों भी नहीं डरे थे वादी रवि कुमार- डीआईजी पर हमले के मामले में उनके पीआरओ रवि कुमार ने एफआईआर
दर्ज कराई थी। रवि कुमार भी इस घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। वह भी भीड़ में फंस गए थे और डीआईजी के साथ ही रहे थे। उन्होंने बताया कि इस मुकदमे को वापस लेने के लिए उन
पर तरह तरह से दबाव बनाए गए। कभी ट्रांसफर की धमकी दी गई तो कभी अन्य तरह की धमकी दी गई लेकिन उन्होंने उस मंजर को देखा। इस तरह भीड़ ने हमला किया था। अदालत के फैसले से
बहुत खुश हैं।डीआईजी पर हमले में 16 दोषियों को आजीवन कारावास -वर्ष 2011 में छह जुलाई को मैनाठेर क्षेत्र में मुरादाबाद के तत्कालीन डीआईजी अशोक कुमार सिंह पर जानलेवा हमला कर
सड़कों पर खुलेआम उत्पात मचाने में 16 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। अपर जिला न्यायाधीश-2 कृष्ण कुमार सिंह की अदालत ने शनिवार को सजा सुनाने के साथ सभी दोषियों
पर 55-55 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। सजा सुनाए जाते ही सभी को जेल भेज दिया गया। अदालत में इन सभी को 23 मार्च को दोषी करार दिया था।मैनाठेर क्षेत्र के असालतनगर बघा गांव
में छह जुलाई 2011 को छेड़खानी के आरोपी युवक की तलाश में पुलिस ने दबिश दी थी। आरोपी के परिवार ने पुलिस पर धार्मिक पुस्तक का अपमान करने का आरोप लगाकर हंगामा कर दिया था।
इसके बाद मुरादाबाद-संभल रोड पर तीन जगह लोगों ने जाम लगाकर बवाल किया था। मैनाठेर थाने और डींगरपुर पुलिस चौकी में आग लगा दी थी।हालात काबू करने निकले तत्कालीन डीआईजी
अशोक कुमार सिंह और डीएम राजशेखर को भी भीड़ ने घेर लिया था। डीएम के निकल जाने पर भीड़ डीआईजी अशोक कुमार पर टूट पड़ी थी। खुद को बचाने की कोशिश में डींगरपुर स्थित पेट्रोल
पंप पर पहुंचे डीआईजी पर बेरहमी से हमला करते हुए भीड़ ने उनकी पिस्टल छीन ली थी। कई थानों की फोर्स द्वारा घेराबंदी शुरू करने पर भीड़ डीआईजी को मरणासन्न हालत में छोड़कर भागी थी।इस
मामले में डीआईजी के तत्कालीन पीआरओ रवि कुमार ने 33 नामजद और 300 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने 25 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। इनमें छह आरोपी
नाबालिग होने के कारण उनकी फाइल दूसरी अदालत में भेज दी गई थी। डीआईजी पर हमले के मामले में सुनवाई एडीजे-2 कृष्ण कुमार सिंह की अदालत में चली। शनिवार को 16 दोषियों को उम्रकैद
की सजा सुनाई गई।सुनवाई के दौरान तीन आरोपियों की हो चुकी है मौत- मैनाठेर बवाल में तत्कालीन डीआईजी के हमले और उत्पाद में आरोपी बनाए गए लोगों में से तीन की मामले की सुनवाई
के दौरान मौत हो चुकी है। सुनवाई का सिलसिला आगे बढ़ने पर 23 मार्च को 16 आरोपियों को दोषी करार दिया गया। शनिवार को सजा सुनाए जाने के बाद सभी न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिए
गए।इन दोषियों को सुनाई गई सजा-मंजूर अहमद निवासी डींगरपुर, मो. अली, हाशिम निवासी ललवारा थाना मैनाठेर, मो. कमरुल, मो. मुजीफ निवासी मसेबी रसूलपुर थाना मैनाठेर, मो. यूनुस,
अंबरीश निवासी शाहपुर चामरान, कासिम निवासी परियावली थाना असमोली जिला संभल, मो. मोबीन उर्फ मोहम्मद मोहसिन निवासी बरखेड़ा थाना डिडौली जिला अमरोहा, मो. मुजीब, तहजीब
आलम निवासी असदपुर थाना मैनाठेर, जाने आलम निवासी मिलक नवाब मैनाठेर, मो. नाजिम निवासी असदपुर मैनाठेर, मैनाठेर के लालपुर निवासी रिजवान और ताहरपुर निवासी मो. फिरोज।

सो रहे मजदूर की हाथ-पैर बांधकर गला रेतकर हत्या, पास ही सो रहे थे बीवी-बच्चे; बेहोशी की हालत में मिली महिला

पिपलोती कलां गांव में शनिवार रात मजदूर मेहराज की गला रेतकर हत्या कर दी गई। अज्ञात हमलावरों ने हाथ-पैर बांधकर वारदात को अंजाम दिया। पत्नी बेहोश मिली, पुलिस जांच में जुटी है।यूपी

के अमरोहा जिले के हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के पिपलोती कलां गांव में शनिवार रात दिल दहला देने वाली वारदात हुई है। घर के टिनशेड में सो रहे मजदूर मेहराज उर्फ मिराज (35) की अज्ञात हमलावरों ने हाथ-पैर बांधकर धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी। घटना के समय उनकी पत्नी रूही और बच्चे भी पास ही सो रहे थे। सुबह पत्नी बेहोशी की हालत में मिली, जबकि बच्चों को कोई चोट नहीं आई। मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुट गई है।ग्रामीणों के मुताबिक मेहराज शनिवार रात अपनी पत्नी और बच्चों के साथ घर के टिनशेड में अलग-अलग चारपाइयों पर सोए थे। रविवार सुबह जब उनके पिता मौबीन पहुंचे तो मेहराज को खून से लथपथ पड़ा देखा। पास जाकर देखा तो उसके हाथ-पैर बंधे थे और गर्दन पर गहरे घाव थे। यह देख परिवार में चीख-पुकार मच गई और देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। वहीं बेहोश पत्नी रूही को तुरंत अस्पताल भिजवाया गया। होश में आई पत्नी भी कुछ बताने को तैयार नहीं है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। परिजनों के मुताबिक, मृतक मेहराज दिल्ली में रहकर बेलदारी का काम करता था और चार दिन पहले ही गांव लौटा था। उसके दो छोटे बच्चे हैं। अचानक हुई इस वारदात से गांव में दहशत का माहौल है। सीओ पंकज त्यागी ने बताया कि हत्या के पीछे की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है। सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। जल्द ही घटना का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

फिर करवट लेगा मौसम, एक अप्रैल तक बारिश का अनुमान

मुरादाबाद। वर्तमान पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से पिछले दिनों प्रदेश में बूंदाबांदी के साथ हुई हल्की वर्षा के कारण अनेक स्थानों पर अधिकतम तापमान में औसतन 3-6 डिग्री सेल्सियस की गिरावट सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार इसका प्रभाव समाप्त होने से 28-29 मार्च के दौरान अधिकतम तापमान में लगभग इतनी ही वृद्धि के बाद आगामी पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से फिर 3-6ए डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने की सम्भावना है।जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के आपदा विशेषज्ञ प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि अगले पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 29 मार्च देर शाम/रात से प्रदेश में वर्षा का अगला दौर आरम्भ होकर महीने के अन्त तक जारी रहने की संभावना है। मौसम तंत्रों के प्रभाव से न्यूनतम तापमान में भी 2-4एडिग्री सेल्सियस के त्वरित उतार चढ़ाव जारी रहने की संभावना जताई गई है।

हिस्ट्रीशीटर नरेश बन गया था 'सुल्तान', 21 साल बाद यक्ष एप से खुली पहचान; संभल की मस्जिद में भी जाता था

बामुरादाद के पाकबड़ा का हिस्ट्रीशीटर नरेश 21 साल से पुलिस से बचकर संभल में सुल्तान बनकर रह रहा था। वह मुस्लिम पहचान अपनाकर मस्जिद भी जाता था। यक्ष ऐप पर फोटो अपलोड होने से नखासा पुलिस ने उसे पहचान लिया। फर्जी दस्तावेजों के साथ गिरफ्तार नरेश पर लूट और डकैती के नौ मामले दर्ज हैं।21 साल से फरार हिस्ट्रीशीटर नरेश गिरफ्तार संभल में सुल्तान बनकर मुस्लिम पहचान अपनाई- यक्ष ऐप से पुलिस ने पहचान कर दबोचा 21 साल पहले पुलिस से बचने के लिए संभल पहुंचा हिस्ट्रीशीटर नरेश सुल्तान बन गया। मुस्लिमों के बीच एक कमरे में किराये पर रहकर मेहनत मजदूरी करनी शुरू कर दी। मुस्लिम समाज के लोगों के साथ मस्जिद भी जाता था। अब पाकबड़ा पुलिस ने 21 साल पहला फोटो यक्ष ऐप पर

अपलोड किया था नखासा पुलिस ने पहचान लिया। जानकारी के बाद पाकबड़ा पुलिस इसकी तलाश में लग गई। शनिवार को पुलिस ने उसे डींगरपुर मार्ग से गिरफ्तार कर लिया।एक साल से संभल सुल्तान बनकर रहा था नरेश, जाता था मस्जिद- पुलिस के अनुसार नरेश निवासी गांव हाशमपुर गोपाल पाकबड़ा का हिस्ट्रीशीटर है। वह करीब 21 साल पहले अपने गांव से फरार हो गया था और तब से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। कुछ दिनों पहले यक्ष ऐप पर हिस्ट्रीशीटर नरेश का फोटो अपलोड कर दिया।उधर संभल की नखासा पुलिस ने भी नरेश का फोटो यक्ष ऐप पर अपलोड कर दिया। नाम भले ही अलग था, लेकिन फोटो एक होने के चलते आरोपित पकड़ में आ गया। नखासा पुलिस ने इस मामले की जानकारी पाकबड़ा पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस उसकी तलाश में जुट गई। यक्ष ऐप पर किया फोटो अपलोड तो नखासा पुलिस ने लिया पहचान- शनिवार को आरोपित डींगरपुर रोड पर था। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर आरोपित को पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद उसने खुद को सुल्तान पुत्र जमालुद्दीन निवासी संभल बताया, लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर उसने अपना असली नाम नरेश स्वीकार कर लिया।सभी दस्तावेज फर्जी नाम और पते से बनाए गए-तलाशी के दौरान पुलिस को उसके पास से दो फर्जी आधार कार्ड, तीन वोटर आईडी, एक पैन कार्ड, एक ई-श्रम कार्ड, प्रथमा बैंक का स्मार्ट कार्ड और एक लेटर हेड बरामद हुआ। ये सभी दस्तावेज फर्जी नाम और पते पर बनाए गए थे, जिनके सहारे वह वर्षों से अपनी पहचान छिपाकर रह रहा था। पूछताछ में नरेश ने बताया कि उस पर लूट और डकैती के कई मुकदमे दर्ज हैं और वह पहले कई साल जेल में भी रह चुका है। नई पहचान बनाकर संभल में रहने लगा आरोपित- पुलिस की लगातार निगरानी से परेशान होकर उसने अपना घर-परिवार छोड़ दिया और नई पहचान बनाकर संभल में रहने लगा। आरोपित के खिलाफ पाकबड़ा, मैनाठेर, ठाकुरद्वारा और अमरोहा के डिडौली में नौ मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि पुलिस को यह बड़ी कामयाबी मिली है। आरोपित 21 साल से फरार था। जिसे यक्ष ऐप के माध्यम से उसे गिरफ्तार कर लिया।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

बरेली में पुलिस कर्मियों को मिला जीवन रक्षक प्रशिक्षण, प्राथमिक उपचार व आपदा प्रबंधन पर कार्यशाला आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य के निर्देशन में रविवार को रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित रविन्द्रालय सभागार में सीसी टीम, यातायात पुलिस एवं यूपी-112 कर्मियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA) की टीम द्वारा प्राथमिक चिकित्सा शिविर तथा नागरिक सुरक्षा कोर द्वारा आपदा एवं बचाव की आपातकालीन विधियों पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य पुलिस कर्मियों को फर्स्ट रिस्पॉन्डर के रूप में आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित और प्रभावी सहायता प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित करना रहा। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक (यातायात) मो0 अकमल खान, आईएमए प्रेसिडेंट डॉ0 अतुल श्रीवास्तव, सेक्रेटरी डॉ0 अंशु अग्रवाल, प्रेसिडेंट इलेक्ट डॉ0 डी0डी0 गंगवार, आईएसए नेशनल गवर्निंग काउंसिल सदस्य डॉ0 आरकेभास्कर तथा आईएसए बरेली प्रेसिडेंट डॉ0 रतनपाल सिंह सहित नागरिक सुरक्षा कोर के कई अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में नागरिक सुरक्षा कोर के सहायक उपनियंत्रक प्रमोद कुमार डागर, डिवीजनल वार्डन दिनेश कुमार यादव, स्टाफ ऑफिसर आलोक शंखधर, आईसीओ विशाल गुप्ता, डिप्टी पोस्ट वार्डन ओमप्रकाश और निरीक्षक यातायात शैलेन्द्र कुमार सिंह भी उपस्थित रहे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में यातायात पुलिस, सीसी टीम के लगभग 110 सदस्य एवं यूपी-112 के 76 अधिकारी-कर्मचारियों सहित कुल करीब 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला के दौरान प्राथमिक उपचार, सीपीआर, सड़क दुर्घटना में त्वरित सहायता, आपदा प्रबंधन एवं रेस्क्यू ऑपरेशन की व्यवहारिक जानकारी दी गई।

15 मिनट में पहुंची पुलिस, युवक की बचाई जान, इंस्टाग्राम पोस्ट से मिला आत्महत्या का संकेत

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / ?बरेली। थाना आंवला क्षेत्र में बरेली पुलिस की तत्परता से एक युवक की जान बच गई। मुख्यालय से प्राप्त मेटा अलर्ट सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने महज 15 मिनट में मौके पर पहुंचकर आत्महत्या का प्रयास कर रहे युवक को सुरक्षित बचा लिया। 28 मार्च शनिवार को बरेली पुलिस को सूचना मिली कि थाना आंवला निवासी एक युवक ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा- आज मेरा आखरी दिन है, और आज मैं ज़हर खाने वाला हूं। इस गंभीर सूचना के बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में तत्काल कार्रवाई शुरू की गई। 15 मिनट में पहुंची पुलिस टीम- मुख्यालय से मिली लोकेशन के आधार पर थाना आंवला के उप निरीक्षक पुलिस टीम के साथ मात्र 15 मिनट में युवक के घर पहुंच गए। परिजनों से जानकारी लेने के बाद जब पुलिस कमरे में पहुंची, तो युवक ने अपने हाथ पर ब्लेड से कट लगा रखे थे और कीटनाशक दवा भी पी ली थी। युवक की हालत बिगड़ती देख पुलिस ने बिना देर किए परिजनों के साथ उसे नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे सुरक्षित घर भेज दिया। होश में आने के बाद युवक ने बताया कि वह एक युवती से प्रेम करता है, जिसने उससे बात करना बंद कर दिया, जिससे आहत होकर उसने यह कदम उठाया। पुलिस कर्मियों ने युवक की काउंसलिंग की और उसे समझाया, जिस पर युवक ने भविष्य में ऐसी गलती न करने का आश्वासन दिया। युवक के परिजनों ने थाना आंवला पुलिस की तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता की सराहना करते हुए धन्यवाद व्यक्त किया।

कौन बनेगा सपा जिलाध्यक्ष ? हाईकमान ने बरेली के नेता बुलाए

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सपा जिलाध्यक्ष शिवचरन कश्यप को हटाए जाने के बाद उनकी जगह किसकी ताजपोशी होगी, इसे लेकर हाईकमान स्तर पर कवायद तेज हो गई है। जिलाध्यक्ष के नाम पर चर्चा को बरेली से सपा के सभी विधानसभा अध्यक्ष बुलाए गए हैं। महानगर अध्यक्ष शमीम खां सुल्तानी को भी बुलावा आया है। पार्टी में पीडीएम फार्मूले पर फोकस के बीच बरेली में कौन बनेगा जिलाध्यक्ष की कहानी किस ओर जाने वाली है, कई तरह की चर्चाएं चल पड़ी हैं। विधानसभा और पंचायत चुनाव की तैयारियों के बीच बरेली जिले में सपा की बारात बिन दूल्हे के नजर आ रही है। शिवचरन कश्यप की जिलाध्यक्षी जाने को काफी समय बीत चुका है, लेकिन पाटी अभी तक नए जिलाध्यक्ष के नाम पर मुहर नहीं लगा सकी है। मसला चाहे चुनावी हो या संगठन का, बरेली के समाजवादी नेताओं की आपसी खींचतान की कहानी किसी से छिपी नही हैं। खासतौर पर यादव बिग्रेड, में, जहां जिलाध्यक्ष पद के लिए दावेदार तो कई हैं मगर परदे के पीछे रस्साकशी भी खूब है। पार्टी से सूत्र बताते हैं कि गुटबाजी और आपसी तनातनी को खत्म करने के लिए हाईकमान बरेली पर बहुत सोच-विचार कर फैसला लेने के मूड में है। जिलाध्यक्ष कोई भी बने, इसे लेकर आखिरी फैसला सपा प्रमुख अखिलेश यादव ही लेने वाले हैं। शिवचरन कश्यप को हटाए जाने के बाद से ही दावेदार बरेली से लखनऊ तक लगातार दौड़ लगा रहे हैं।

मेले से लापता हुईं चार नावालिग लड़कियां, पांच घंटे में बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सिकलापुर मेले से लापता हुई गंगापुर की चार नाबालिग लड़कियों को बारादरी पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए करीब पांच घंटे में सकुशल बरामद कर लिया। जांच में सामने आया कि बच्चियों को मोहल्ले का ही एक व्यक्ति, जो दो बच्चियों का पिता है, अपने साथ रिश्तेदारी में छोड़ आया था। सूचना मिलते ही पुलिस ने रात में ही मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी थी। थाना बारादरी क्षेत्र के गंगापुर में रहने वाली नेहा पत्नी राहुल ने शनिवार रात करीब 11:25 बजे पुलिस को सूचना दी कि उनकी दो बेटियां 10 वर्षीय रिद्धिमा और 7 वर्षीय महिमा सिकलापुर में मेला देखने गई थीं। उनके साथ मोहल्ले के विजय कुमार की बेटियां, 10 वर्षीय नायरा और 8 वर्षीय पलक भी थीं, जो वापस नहीं पहुंचीं हैं। सूचना मिलते ही थाना बारादरी पुलिस ने तत्काल मुकदमा पंजीकृत कर लड़कियों की तलाश शुरू कर दी।सीसीटीवी फुटेज से खुला मामला, पिता के साथ जाती दिखीं लड़कियांपुलिस टीम ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की जांच की, जिसमें चारों लड़कियां नेहा के पति राहुल के साथ जाती हुई दिखाई दीं। इसके बाद पुलिस ने राहुल से संपर्क किया। पूछताछ में उसने बताया कि पत्नी से विवाद के चलते वह अपनी दोनों बेटियों को इज्जतनगर थाना क्षेत्र के अहलादपुर स्थित बहन-बहनोई के घर छोड़ने गया था। उनके साथ मौजूद दो अन्य लड़कियों ने भी साथ जाने की जिद की तो वह उन्हें भी वहीं छोड़ आया। बरामदजानकारी मिलते ही पुलिस टीम परिजनों के साथ अहलादपुर में राहुल के बहन बहनोई के घर पहुंची और रविवार सुबह करीब चार बजे चारों लड़कियों को सकुशल बरामद कर परिवार वालों को सौंप दिया।

IPS केके-अंशिका की शाही शादी: धोरीमन्ना से जोधपुर तक मनेगा जश्न, अब पिता-पुत्र के डांस ने जीता दिल

आईपीएस कृष्ण कुमार विश्नोई और आईपीएस अंशिका वर्मा की शादी 30 मार्च को जोधपुर में होगी। धोरीमन्ना में रस्में शुरू हो चुकी हैं। गोरखपुर में शुरू हुई प्रेम कहानी अब विवाह में बदलेगी, समारोह में कई हाई-प्रोफाइल मेहमान शामिल होंगे। इस बीच IPS केके विश्नोई का पिता संग डांस का वीडियो भी चर्चा में है।उत्तर प्रदेश पुलिस के दो चर्चित और तेज-तर्रार अधिकारियों आईपीएस कृष्ण कुमार विश्नोई और आईपीएस अंशिका वर्मा खूबसूरत मुकाम पर पहुंचने जा रही है। सख्त लिए पहचाने जाने वाले संभल के एसपी कृष्ण शादी को लेकर चर्चा के केंद्र में हैं। उनकी शादी बल्कि एक हाई-प्रोफाइल आयोजन बन गई है, प्रदेश और दिल्ली तक के बड़े नाम शामिल होने शादी का जश्न- बालोतरा जिले के धोरीमन्ना शादी की रस्में 27 मार्च से ही शुरू हो चुकी हैं। जैसे पारंपरिक कार्यक्रमों के बीच पूरा गांव उत्सव 28 मार्च को यहां भव्य 'बारात सभा' का

जिसमें स्थानीय लोग और रिश्तेदार बड़ी संख्या में शामिल हो रहे हैं।29 मार्च को निकलेगी बारात, जोधपुर बनेगा शादी का साक्षी- 29 मार्च को बारात धोरीमन्ना से रवाना होकर जोधपुर पहुंचेगी, जहां 30 मार्च को लारिया (लहरिया) रिसॉर्ट में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह संपन्न होगा। इसके बाद एक भव्य रिसेप्शन का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें कई वरिष्ठ अधिकारी और राजनीतिक हस्तियां शामिल हो सकती हैं। चर्चाएं हैं कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी इस मौके पर आकर नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद दे सकते हैं।गोरखपुर से शुरू हुई थी प्रेम कहानी- 2018 बैच के आईपीएस कृष्ण कुमार विश्नोई और 2021 बैच की आईपीएस अंशिका वर्मा की पहली मुलाकात गोरखपुर में पोस्टिंग के दौरान हुई थी। पेशेवर मुलाकात धीरे-धीरे दोस्ती में बदली और फिर यह रिश्ता प्यार में बदल गया। 25 मार्च को संभल में सगाई के बाद अब दोनों विवाह के बंधन में बंधने जा रहे हैं।सोशल मीडिया पर छाया डांस वीडियो- शादी के जश्न के बीच एक खास वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने लोगों का दिल जीत लिया है। इस वीडियो में आईपीएस कृष्ण कुमार विश्नोई अपने पिता के साथ मशहूर गीत पापा कहते हैं बड़ा नाम करेगाज पर डांस करते नजर आ रहे हैं। सख्त पुलिस अधिकारी की छवि से इतर उनका पारिवारिक रूप लोगों को खूब पसंद आ रहा है। पिता-पुत्र की इस खास बॉन्डिंग ने समारोह को और भी यादगार बना दिया।

नूरानपुर में मंदिर की संपत्ति पर हनुमान नाथ का कब्जे का खेल, लाखों के पेड़ बेचकर कार खरीदने का मामला

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत / पीलीभीत जनपद के बीसलपुर तहसील अंतर्गत कोतवाली दियोरिया कलां क्षेत्र के ग्राम नूरानपुर में स्थित श्री ठाकुर जी महाराज मंदिर एवं प्राचीन श्री शिव मंदिर की संपत्ति को लेकर बड़ा और गंभीर विवाद सामने आया है। इस पूरे प्रकरण में योगी हनुमान नाथ का नाम केंद्र में है, जिन पर मंदिर की संपत्ति पर कब्जा करने और उससे आर्थिक लाभ उठाने की बात सामने आई है। मंदिर के पुजारी बाबा सर्वेश्वरदास के अनुसार, श्री ठाकुर जी महाराज मंदिर के नाम ग्राम नूरानपुर एवं जसाईनगर में कृषि भूमि दर्ज है, जिस पर पूर्व में विवाद होने पर न्यायालय में धारा 145 के तहत कार्यवाही हुई थी। दिनांक 4 नवंबर 2024 को उक्त भूमि पर पुजारी का कब्जा घोषित किया गया था। इसके बावजूद मंदिर की संपत्ति को लेकर लगातार हस्तक्षेप और दबाव की स्थिति बनी हुई है। पुजारी के अनुसार, पिछले वर्ष मंदिर परिसर में खड़े लगभग 7 लाख रुपये मूल्य के पेड़ों को कटवाकर बेच दिया गया। इन पेड़ों में आम, गूलर, यूकेलिप्टिस, शीशम, नीम और अशोक जैसे कीमती पेड़ शामिल

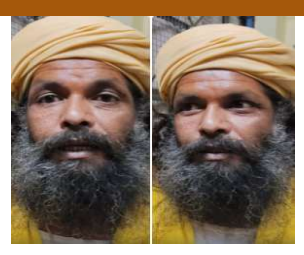

थे। बताया गया कि इन पेड़ों में दो पेड़ विशेष धार्मिक महत्व के थे, जिन पर पूर्व महंत शांति नाथ द्वारा 'राम' और 'लक्ष्मण' अंकित किया गया था, जिन्हें भी बिना किसी रोक-टोक के काटकर बेच दिया गया। इस घटना से स्थानीय श्रद्धालुओं और ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है।इतना ही नहीं, पेड़ों की बिक्री से प्राप्त धनराशि का उपयोग निजी लाभ के लिए किया गया और उसी राशि से एक कार खरीदे जाने की बात भी सामने आई है। इससे मंदिर की संपत्ति के दुरुपयोग का मामला और गंभीर हो गया है।

मामला यहीं तक सीमित नहीं है। पुजारी का कहना है कि मंदिर की भूमि और व्यवस्था पर नियंत्रण स्थापित करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसके तहत गांव के कुछ लोगों को साथ लेकर दबाव बनाने, पट्टेदारों को डराने-धमकाने और मंदिर की व्यवस्था में हस्तक्षेप करने की कोशिशें की जा रही हैं।इसके साथ ही यह भी सामने आया है कि बाहरी व्यक्तियों को बुलाकर मंदिर की जमीन पर कब्जा करने की रणनीति बनाई जा रही है। 15 मार्च 2026 को मंदिर परिसर में हुई एक घटना में पुजारी के साथ अभद्रता और मारपीट का प्रयास भी किया गया, जिससे स्थिति और अधिक तनावपूर्ण हो गई है।वहीं, प्राचीन श्री शिव मंदिर को लेकर भी इसी तरह के आरोप सामने आए हैं। बताया गया कि इस मंदिर के नाम लगभग 20 एकड़ कृषि भूमि दर्ज है। पूर्व में इसकी देखभाल योगी शांति नाथ करते थे, जिनके निधन के बाद योगी हनुमान नाथ वहां रहने लगे। इसके बाद मंदिर परिसर में खड़े लगभग 5 लाख रुपये मूल्य के पेड़ों को भी कटवाकर बेच दिया गया, जिससे अब वहां एक भी पुराना पेड़ शेष नहीं बचा है।

इस पूरे घटनाक्रम से ग्राम नूरानपुर में तनाव और आक्रोश का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों और मंदिर से जुड़े लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए निष्पक्ष जांच कराई जाए और मंदिर की संपत्ति को सुरक्षित रखते हुए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

सिम्मी गुप्ता को श्री रामचरितमानस विषय में पीएचडी की मिली उपाधि

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। महात्मा ज्योतिबाफूले विश्वविद्यालय से श्री रामचरितमानस में वर्णित शिक्षा के स्वरूप का विवेचनात्मक अध्ययन विषय पर अपना शोध पूरा करने पर सिम्मी गुप्ता को पी.एचडी. की उपाधि दी है। उन्हें यह उपाधि श्री रामचरितमानस में वर्णित शिक्षा में उन्होंने अपना शोध कार्य प्रोफेसर प्रवीण कुमार तिवारी के निर्देशन में पूर्ण किया। हरियाणा विश्वविद्यालय से आए परीक्षक दिनेश चहल, प्रोफेसर एन. एन. पांडे, विभागाध्यक्षा प्रो. संतोष अरोरा, शिक्षिका डॉ शिखा अग्रवाल,पूजा आर्य, आदि ने खुशी जताई है।

एक अप्रैल से चलेगा स्कूल चलो अभियान, कोई बच्चा शिक्षा से न रहे वंचित

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिले में कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, हर हाथ में किताब हो और हर आंख में भविष्य के सपने चमकें। इसी उद्देश्य के साथ बेसिक शिक्षा विभाग एक अप्रैल से स्कूल चलो अभियान शुरू करेगा। यह अभियान गांव की गलियों से लेकर शहर की बस्तियों तक, हर घर दस्तक देकर शिक्षा की रोशनी फैलाने का संकल्प लिए होगा। आशा, आंगनबाड़ी कार्यकत्री व स्पेशल एजुकेटर भी इस अभियान से जुड़कर इसे धार देंगे। इसमें छह से 14 वर्ष की आयु के उन बच्चों की पहचान कर नामांकन कराया जाएगा, जो किसी वजह से शिक्षा से वंचित रह गया हो या पढ़ाई बीच में ही छोड़ चुके हैं। जिले के 2486 प्राथमिक, उच्च प्राथमिक व कंपोजिट विद्यालय हैं। पिछले सत्र में कुल नामांकन 280496 था। स्कूलों का विलय होने के बाद यह संख्या कुछ कम हुई। इसलिए नए सत्र में बच्चों का नामांकन बढ़ाने पर विशेष जोर होगा। स्कूल चलो अभियान का पहला चरण एक से 15 अप्रैल तक और दूसरा चरण एक जुलाई से 15 जुलाई तक चलेगा। इस दौरान शिक्षकों और संबंधित विभागों की टीम घर-घर जाकर सर्वे करेंगी और ऐसे बच्चों को चिन्हित करेगी जो स्कूल नहीं जा रहे हैं या बीच में पढ़ाई छोड़ चुके हैं। तीन वर्ष की आयु पूरी कर चुके बच्चों को आंगनबाड़ी या बालवाटिका में प्रवेश कराया जाएगा। वहीं छह वर्ष के बच्चों को कक्षा एक में प्रवेश दिलाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सात से 14 वर्ष आयु वर्ग के ड्रॉपआउट बच्चों को दोबारा स्कूल से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा।

मजदूरों व हॉस्टल के छात्रों को मिलेगा पांच किलो का गैस सिलिंडर

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की किल्लत के बीच हॉस्टल में रहने वाले छात्रों, प्रवासी मजदूरों को राहत मिलने की उम्मीद है। प्रशासन इन्हें पांच किलो का छोटा गैस सिलिंडर मुहैया कराएगा। होटल, रेस्टोरेंट, ढाबों को कनेक्शन नहीं होने पर भी कॉमर्शियल सिलिंडर दिए जाएंगे। पश्चिम एशिया में छिड़े युद्ध से एलपीजी की आपूर्ति प्रभावित है। इससे उद्यमियों, कारोबारियों समेत घर से दूर शहर में रह रहे छात्रों और मजदूरों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। फैक्टरियों में कार्य कर रहे कई मजदूर घर लौट गए हैं। यही स्थिति छात्रों की भी है। इनके नियमित कनेक्शन नहीं होने की वजह से सिलिंडर नहीं मिल पा रहे थे। इस समस्या का संज्ञान लेकर शासन ने इन्हें पांच किलो का छोटा सिलिंडर मुहैया कराने का निर्णय लिया है।

फिट इंडिया मूवमेंट के तहत संडे ऑन साइकिलिंग कार्यक्रम हुआ

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / ?बरेली। भारतीय खेल प्राधिकरण, प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत 'सन्डे ऑन साइक्लिंग' कार्यक्रम का आयोजन साई स्टेडियम में किया गया। कार्यक्रम सिक्योरिटी सर्विसेज एजेंसी के सहयोग से किया गया। इस मौके पर साइकिल रैली का आयोजन किया गया। जो साई स्टेडियम से शुरू होकर धोपेश्वर नाथ मंदिर, धोपेश्वर नाथ चौक, कैंटोमेंट अस्पताल, शास्त्री चौक और युगवीणा पुस्तकालय होते हुए पुन: केन्द्र पर समाप्त हुई। कार्यक्रम में सिक्योरिटी सर्विसेज एजेंसी के 10 सुरक्षाकर्मियों सहित साई के कर्मचारियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को प्रतिदिन 30 मिनट साइकिल चलाने और नियमित व्यायाम के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में संतोष कुमार, प्रेम सिंह, वीरपाल, अबन कुमार, अशोक कुमार, सोमपाल एवं वीरेन्द्र समेत अन्य रहे।

जिलाधिकारी श्रावस्ती के नेतृत्व में भारत-नेपाल राष्ट्र के मध्य सीमा सर्वेक्षण की बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती, भारत-नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा सर्वेक्षण टीम-3 की प्रथम अंतर्राष्ट्रीय बैठक जिलाधिकारी श्रावस्ती, अश्विनी कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई।

सर्वेक्षण टीम-3 उत्तर के जिलाधिकारी विपिन सिद्धार्थनगर, महाराजगंज नेपाल राष्ट्र के बर्दिया, कपिलवस्तु एवं जिलाधिकारियों ने बैठक सशस्त्र सीमा बल के भारत-नेपाल की संयुक्त प्रदेश राज्य के बलरामपुर कुमार जैन एवं बहराइच, के उच्चाधिकारियों एवं बाँके, रुपन्डीहा, डांग, नवलपरासी के मुख्य में प्रतिभाग किया। वही कमांडेंट श्री अमरेंद्र कुमार वरुण 62वीं, वाहिनी, 42वीं, 59वीं 9वीं, 50वीं, 43वीं, 22वीं और 66वीं एवं 70वीं, बटालियन के कमांडेंट, उप कमांडेंट एवं सहायक कमांडेंट ने प्रतिभाग किया। नेपाल राष्ट्र की तरफ से पुलिस एवं एपीएफ नेपाल के एसपी, डीएसपी ने प्रतिभाग किया। इसके अतिरिक्त दोनों राष्ट्रों के संबन्धित जनपदों के वरिष्ठ वन अधिकारी व पुलिस अधिकारियों ने भी बैठक में प्रतिभाग किया। जिलाधिकारी श्रावस्ती ने जिलाधिकारी बर्दिया एवं टीम लीडर नेपाल गोगन बहादुर हमल को पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया। बैठक में प्रतिभाग करने वाले सभी अधिकारियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया गया। दोनों राष्ट्रों के मध्य सीमा सर्वेक्षण की बैठक सफल रही। बैठक में बताया गया कि भारत-नेपाल की सीमा उत्तर प्रदेश राज्य में जनपद बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर और महराजगंज जिलों में पड़ती है। उक्त जिलों एवं नेपाल के समीपवर्ती जिलों में भारत-नेपाल के अन्तर्राष्ट्रीय स्तम्भों का निर्माण किया गया है। इन अन्तर्राष्ट्रीय स्तम्भों का पुनर्स्थापना/मरम्मत, जाँच उत्तर प्रदेश भू-स्थानिक निदेशालय, लखनऊ एवं सर्वेक्षण की संयुक्त टीम के द्वारा किया जाता है। जिसके लिए शासन द्वारा जिलाधिकारी श्रावस्ती को टीम-3 का नोडल अधिकारी/टीम लीडर नामित किया गया है, जो कि अपने पर्यवेक्षण में कार्य सम्पादित करायेंगे। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी श्रावस्ती शाहिद अहमद, मुख्य राजस्व अधिकारी बहराइच देवेन्द्र पाल सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी श्रावस्ती धनराज मीणा, उपजिलाधिकारी महाराजगंज नवीन प्रसाद, उपजिलाधिकारी सिद्धार्थनगर कर्मेन्द्र कुमार सहित सशस्त्र सीमा बल के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

करैरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई: अवैध कट्टा और जिंदा कारतूस के साथ आरोपी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना करैरा पुलिस ने एक आरोपी को देशी कट्टा और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी Aman Singh Rathore के निर्देश पर जिले में अवैध हथियार रखने एवं अपराध की नियत से घूमने वालों के विरुद्ध सख्त अभियान चलाया जा रहा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक Sanjeev Mule एवं एसडीओपी करैरा Ayush Jakhad के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक Vinod

Singh Chhavai एवं उनकी टीम लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में 29 मार्च को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि महुअर कॉलोनी स्थित खाली पड़े शासकीय क्वार्टर के पास एक व्यक्ति अवैध हथियार लेकर संदिग्ध स्थिति में खड़ा है। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर संदिग्ध व्यक्ति भागने लगा, जिसे घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम नरेंद्र प्रजापति (34 वर्ष) निवासी सिल्लापुर, थाना करैरा बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से 315 बोर का देशी कट्टा एवं एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। आरोपी के पास हथियार का कोई वैध लाइसेंस नहीं मिला। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 210/26 के तहत धारा 25/27 आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर कट्टा और कारतूस जब्त कर लिए हैं। सराहनीय भूमिका इस कार्रवाई में थाना प्रभारी करैरा निरीक्षक विनोद सिंह छावई, प्रधान आरक्षक राजेश शर्मा, प्रधान आरक्षक डैनी कुमार, आरक्षक हरेन्द्र गुर्जर, राधे जादौन, मत्स्येन्द्र सिंह एवं रामअवतार गुर्जर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संक्षिप्त समाचार

दहेज हत्या में तीन लोग गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। सिरसिया पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी द्वारा जनपद में अपराध के विरुद्ध चलाये जा रहे प्रभावी नियंत्रण व

कार्रवाई के संबंध में दिए गए आदेश व निर्देश के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चन्द्र उत्तम व क्षेत्राधिकारी भिनगा सतीश कुमार शर्मा के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष शैलकांत उपाध्याय सिरसिया थाना जनपद श्रावस्ती के नेतृत्व में थाना सिरसिया पुलिस टीम द्वारा मुकदमा दहेज प्रतिषेध अधिनियम से संबंधित 03 अभियुक्तगण को गिरफ्तार कर न्यायालय रवाना किया गया। ग्राम मधवापुर में विपक्षीगण के द्वारा मृतका सीमा देवी के साथ अतिरिक्त दहेज की माँग करते हुए प्रताड़ित कर हत्या कर देने के संबंध मे मृतका के पिता के द्वारा तहरीर दी गई जिसके आधार पर थाना सिरसिया पर मुकदमा दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया जिसके अंतर्गत उक्त व्यक्तियों के द्वारा किए गए अपराध के दृष्टिगत गिरफ्तार कर न्यायालय रवाना किया गया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार तीन युवक घायल, दो की हालत गंभीर

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती के थाना मल्हीपुर क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत बीरपुर लौकिहा के मजरा बीरपुर निवासी तीन युवक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजेश कुमार (21) पुत्र झगरू, सुनील (20) पुत्र बाजे तथा प्रदीप (18) पुत्र रामगोपाल रात्रि किसी कार्य से मोटरसाइकिल से रमवापुर गांव गए थे। वापसी के दौरान जमुनहा-बहराइच मार्ग स्थित शिकारी कुट्टी के पास मल्हीपुर की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चालक सहित तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आसपास के ग्रामीणों ने तत्काल 108 एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मल्हीपुर पहुंचाया। जहां चिकित्सक डॉ. खुर्शीद खान ने प्राथमिक उपचार करने के बाद राजेश कुमार और सुनील की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल भिनगा रेफर कर दिया, जबकि प्रदीप का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर जारी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है।

62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, द्वारा पशु चिकित्सा शिविर आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच / जगत राम विश्वकर्मा / श्रावस्ती अमरेन्द्र कुमार वरुण, कमांडेंट, 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा

के दिशा निर्देशन में 'जी' समवाय भैंसाहीनाका के अंतर्गत जीवंत गांव कोयलहवा में पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में डॉ. इमरान खान (पशु चिकित्सा अधिकारी), सोनवा द्वारा गांव के 34 पशुपालकों के कुल 165 पशुओं की नि:शुल्क जांच की गई। आवश्यकतानुसार पशुओं की सर्जरी की गई तथा दवाइयों का भी नि:शुल्क वितरण किया गया। इसके साथ ही पशुपालकों को पशुओं में फैलने वाले संक्रामक रोगों से बचाव, टीकाकरण एवं उचित देखभाल के संबंध में जागरूक किया गया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान श्रीमती सरिता शुक्ला, उप निरीक्षक बालचंद्र, मुख्य आरक्षी/पशु चिकित्सक हंसराज चौधरी सहित अन्य जवान एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए सशस्त्र सीमा बल के प्रति आभार व्यक्त किया।

शिवपुरी में खाद्य सुरक्षा का सख्त एक्शन: अमानक खाद्य पदार्थों पर बड़ी कार्रवाई, कई नमूने फेल

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। शिवपुरी। जिले में मिलावटखोरी और अमानक खाद्य पदार्थों के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। कलेक्टर Ravindra Kumar Chaudhary के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान में कई प्रतिष्ठानों के खाद्य नमूने जांच में फेल पाए गए हैं। पिछले 25 दिनों में जिलेभर के मिष्ठान, डेयरी, मसाले और पेय पदार्थों के नमूने एकत्र कर प्रयोगशाला भेजे गए थे। जांच रिपोर्ट में कुछ खाद्य पदार्थ असुरक्षित (Unsafe) और सब-स्टैंडर्ड पाए गए हैं। असुरक्षित पाए गए

खाद्य पदार्थों में कोलारस के मां निहाल मिष्ठान भंडार के बूंदी लड्डू, नरवर के चौरसिया होटल और रन्नौद के मां गायत्री मिष्ठान के बेसन लड्डू तथा करैरा के रामराजा ट्रेडर्स का हल्दी पाउडर शामिल हैं। वहीं, सब-स्टैंडर्ड पाए गए उत्पादों में शिवपुरी के मान्या बबले हलवाई का मावा, नरवर के चौरसिया होटल का दही और बैराड़ के देवनारायण फालूदा की आइसक्रीम शामिल है। इसके अलावा जिले के अन्य प्रतिष्ठानों से लिए गए मावा, पनीर, मसाले और पेय पदार्थों के नमूनों की जांच प्रक्रिया जारी है। प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए श्री महाकालेश्वर डेयरी (बस स्टैंड, शिवपुरी), एम.जी. फूड प्रोडक्ट्स (करैरा) और दिनारा के व्यापारी प्रयाग गुप्ता के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर एडीएम न्यायालय में प्रस्तुत किए हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि आमजन को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा तथा मिलावटखोरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

गोवल पतीपुरा में दो पक्षों में खूनी संघर्ष: नामजद आरोपियों का जानलेवा हमला

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत / थाना बीसलपुर क्षेत्र के ग्राम गोवल पतीपुरा में जमीन विवाद ने भयावह रूप ले लिया, जहां 27 मार्च 2026 को हुई घटनाओं में एक युवक जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है। इस हमले में रवि नामक युवक पर जानलेवा हमला किया गया, जिसके बाद से वह वेंटिलेटर पर है और अब तक होश में नहीं आया है। जानकारी के अनुसार, दिन के समय रवि और उसका भाई बृजेश (जिसे गांव में कवि के नाम से जाना जाता है) अपने खेत में पानी भर रहे थे। इसी दौरान दबंग पक्ष के लोग अचानक खेत पर पहुंचे और कब्जा करने की नीयत से विवाद करने लगे। बात बढ़ने पर हाथापाई की स्थिति बन गई। आरोप है कि दबंगों ने रवि, बृजेश और उनके पिता के साथ गाली-गलौज की और लाठी-डंडों के साथ खेत पर कब्जा करने का प्रयास किया। इसी दौरान रवि ने 112 पर कॉल कर सूचना दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्काल स्थिति को शांत करा दिया।लेकिन मामला यहीं शांत नहीं हुआ। उसी दिन शाम करीब 7:30 बजे के आसपास, दबंग पक्ष के लोग पूरी तैयारी और योजना के साथ दोबारा खेत पर पहुंचे। बताया जा रहा है कि करीब 20 से 30 लोग एकजुट होकर लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से लैस होकर आए और सीधे हमला बोल दिया। हमलावरों ने रवि को घेरकर बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया और तब तक वार करते रहे जब तक वह मरणासन्न अवस्था में नहीं पहुंच गया। गंभीर चोटों के कारण रवि मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़ा। उसी दौरान अपने भाई को बचाने पहुंचे बृजेश (कवि) को भी हमलावरों ने नहीं बख्शा और उसे भी बुरी तरह पीट दिया, जिससे वह भी घायल हो गया।मामले में अनुराग यादव पुत्र मुरारीलाल, नरदेव पुत्र श्रीपाल, मुनेंद्र यादव पुत्र नरदेव, अभिषेक पुत्र सत्यपाल यादव और विवेक पुत्र सत्यपाल यादव सहित अन्य अज्ञात लोगों की संलिप्तता सामने आई है। बताया जा रहा है कि हमला सुनियोजित और जानलेवा था, जिससे पूरे गांव में भय का माहौल बना हुआ है। घटना के बाद पीड़ित पक्ष थाना बीसलपुर पहुंचा, जहां पुलिस ने 29 मार्च 2026 को नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। इसके बावजूद अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से परिजनों और ग्रामीणों में गहरा आक्रोश है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर जल्द ही आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। वहीं, गांव में तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए पुलिस सतर्क बनी हुई है।

बहु बेटी जागरूकता कार्यक्रम कर महिलाओ एवं लड़कियों को मिशन शक्ति, यातायात तथा साइबर अपराध के बारे मे जागरूक किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच / मिशन शक्ति फेज 5.0 , एंटी रोमियो, अभियान के तहत मिशन शक्ति टीम द्वारा ग्राम भोगाजोत थाना मटेरा जनपद बहराइच मे बहु बेटी जागरूकता कार्यक्रम कर महिलाओ एवं लड़कियों को मिशन शक्ति, यातायात तथा साइबर अपराध के बारे मे जागरूक किया गया तथा उच्चाधिकारी द्वारा दिए गये आदेशो निर्देशों के क्रम मे तथा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा

संचालित जन कल्याणकारी योजना के बारे मे व बालिकाओं से उनकी समस्याओं को मद्देनजर रखते हुए महिलाओं पर हो रहे अपराध के प्रति उन्हें जागरूक किया गया... महिला संबंधी घटित अपराध की शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर,1090,1098 ,1076, 112 ,181, 108, व साइबर संबंधित अपराध के शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर 1930 की जानकारी दी गई तथा सरकारी योजनाएं *जैसे कन्या सुमंगला योजना,मातृ वंदना योजना,वृद्धा पेंशन योजना,आयुष्मान प्रधानमंत्री, विधवा पेंशन योजनाउज्जवला योजना व बालिकाओं से उनकी समस्याओं के बारे में पूछताछ करते हुए जानकारी दी गयी मिशन शक्ति टीम उ0नि0श्री अजीत मौर्या उ0 नि0 श्री योगेश्वर यादव कांस्टेबल अमित मद्धेशिया म0 आ 0 ज्ञानमती यादव थाना मटेरा जनपद बहराइच

तीन दिवसीय शूटिंग प्रतियोगिता का शुभारंभ, डीएम-एसपी ने लगाया निशाना

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत। जिला रायफल क्लब पीलीभीत द्वारा आयोजित तीन दिवसीय शूटिंग प्रतियोगिता का रविवार को भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव ने फीता काटकर व दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने .22 बोर राइफल से निशाना लगाकर शानदार प्रदर्शन भी किया। प्रतियोगिता में राजपत्रित अधिकारियों, खुली स्पर्धा, सीनियर सिटीजन, स्टेट व नेशनल खिलाड़ियों के साथ-साथ महिलाओं, बालक-बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों ने अपने निशानेबाजी कौशल का प्रदर्शन कर कार्यक्रम को रोचक बना दिया। जिलाधिकारी ने

अपने संबोधन में कहा कि राइफल क्लब को और अधिक मजबूत किया जाएगा तथा जिले के स्टेडियम को विकसित कर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि खेल गतिविधियां गांव-गांव तक पहुंचें, जिससे ग्रामीण युवा भी इनसे जुड़ सकें। उन्होंने खासतौर पर महिलाओं और छात्राओं को आगे आकर शूटिंग जैसी प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित किया और इसे उज्ज्वल भविष्य का माध्यम बताया। पुलिस अधीक्षक ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं की भागीदारी बढ़ाना प्राथमिकता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन प्रतिभाओं को निखारने का बेहतर अवसर प्रदान करते हैं। कार्यक्रम का संचालन मंसूर अहमद शम्सी ने किया। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख ललौरीखेड़ा अजय सिंह गंगवार, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), उप जिलाधिकारी, जिला विकास अधिकारी, नगर मजिस्ट्रेट, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित कई अधिकारी व गणमान्य लोग मौजूद रहे। साथ ही मैच रेफरी अय्याज अली खान, राइफल क्लब के सदस्य मोहम्मद जहांगीर, अजय सिंह , मोहम्मद मियां फिरोज, दीपेंद्र सिंह चौहान, पीयूष शुक्ला, सिद्धार्थ शुक्ला, महेंद्र सरीन, अब्दुल जाहिद एडवोकेट तथा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के एएनओ तनु अग्निहोत्री सहित एनसीसी कैडेट्स भी उपस्थित रहे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

सिर की हड्डियां थीं चकनाचूर, बुजुर्ग के शरीर पर मिलीं आठ चोटें, दो भाइयों की हत्या में तीन भाई गिरफ्तार

हरदोई में लोडर की टक्कर से पिता की मौत के बाद चार भाइयों ने दो सगे भाइयों की हत्या कर दी। पुलिस मुठभेड़ में दो आरोपी भाई गोली लगने से घायल हुए हैं, जबकि एक अन्य गिरफ्तार है। वहीं, चौथे भाई की तलाश की जा रही है।हरदोई जिले में सुरसा थाना क्षेत्र के की हत्या करने के आरोपी तीन सगे भाइयों को पुलिस ने मुठभेड़ के पुल के पास हुई मुठभेड़ में दो सगे भाई पैर में पुलिस की गोली लगने लोहे की रॉड, दो तमंचे, दो कारतूस, दो खोखा और एक बाइक बरामद (70) शुक्रवार शाम लगभग पौने चार बजे प्राथमिक पाठशाला के अपने भाई शिवम कश्यप (17) के साथ लोडर लेकर जा रहे थे। इस उनकी मौत हो गई थी। इसकी जानकारी पर देवी सहाय के पुत्र अनूप, करने के लिए गठित की थीं चार टीमें- इन लोगों ने लोहे की रॉड और लाठी से शिवम व अमन पर हमला कर दिया था। घटना में शिवम की मौके पर ही मौत हो गई थी जबकि अमन को मेडिकल कॉलेज में मृत घोषित कर दिया गया था। शिवम के भाई अश्वनी उर्फ लक्की की शिकायत पर पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। घटना का खुलासा करने के लिए पुलिस महानिरीक्षक किरण एस और पुलिस अधीक्षक एके मीणा ने चार टीमें गठित की थीं। पैर में गोली लगने से अतुल और अनूप घायल- सीओ सिटी अंकित मिश्रा ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि हत्यारोपी बाइक से बिलग्राम की तरफ जा रहे हैं। इस पर मझिला पुल पर पुलिस ने घेराबंदी की। पुलिस को देखकर बाइक सवारों ने फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में बायें पैर में गोली लगने से अतुल और अनूप घायल हो गए। बाइक चला रहा नीरज भी मौके से पुलिस के हत्थे चढ़ गया। गोली लगने से घायल दोनों हत्यारोपियों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। तीसरे को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। मामले में चौथे आरोपी की तलाश जारी है। पिता का शव देख आंखों में उतर आया था खून- सीओ सिटी अंकित मिश्रा ने बताया कि तीनों आरोपियों से पूछताछ की गई है। इस दौरान इन लोगों ने बताया कि लोडर की टक्कर से पिता की मौत हो गई थी। पिता का शव देखकर चारों भाइयों की आंखों में खून उतर आया था। बिना कुछ सोचे-समझे गुस्से में आकर इन लोगों ने ड्राइविंग सीट पर बैठे शिवम कश्यप और उसके साथ आगे की सीट पर बैठे अमन को घसीट लिया और लोहे की रॉड से पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। सिर की हड्डियां हो गई थीं चकनाचूर, इसी से गई भाइयों की जान- अमन और शिवम के शव का पोस्टमॉर्टम पैनल से कराया गया। पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी भी कराई गई। विश्वस्त सूत्र बताते हैं कि अमन और शिवम की मौत सिर की हड्डियां चकनाचूर होने से हुई है। अमन के सिर में छह चोटें मिलीं जबकि शिवम के सिर में पांच चोटें मिलीं। अमन के बायें पैर में और शिवम के दायें हाथ में चोटें मिली हैं। वाहन की टक्कर से चोटें आने की पुष्टि-यह सभी चोटें लोहे के रॉड से वार किए जाने के कारण आई हैं। दुर्घटना का शिकार हुए देवी सहाय का पोस्टमार्टम भी पैनल से कराया गया। देवी सहाय के आठ चोटें मिलीं। चार चोटें सिर पर और एक चोट शरीर के पिछले हिस्से पर है। छाती में दायीं ओर, बायीं जांघ में और बायें पैर में भी चोट मिली है। एक पैर भी फटा मिला है। वाहन की टक्कर से यह चोटें आने की पुष्टि हुई है। कड़ी सुरक्षा के बीच अंतिम संस्कार- सुरसा थाना क्षेत्र के ढोलिया गांव में शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद सगे भाइयों शिवम और अमन के शव गांव पहुंचे। कड़ी सुरक्षा के बीच अंतिम संस्कार किया गया। दूसरे पक्ष के देवी सहाय का भी अंतिम संस्कार शनिवार को हुआ।

चिनहट में चोरी की बिजली से चल रहा था वाटर प्लांट, 25 लाख रुपये का होगा जुर्माना

लखनऊ के चिनहट में एक वाटर प्लांट को बिजली चोरी कर चलाया जा रहा था। जांच में मीटर बंद मिला। पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है।राजधानी लखनऊ के चिनहट में शनिवार शाम को एक वाटर प्लांट को चोरी की बिजली से चलाते हुए पकड़ा गया। प्लांट के संचालक ने स्मार्ट मीटर से पहले तार को काटकर मीटर को बाईपास कर लिया था। मामले में करीब 25 लाख रुपये जुर्माना निर्धारित होने का अनुमान है। जानकारी में आने पर प्लांट की बिजली काटकर थाने में एफआईआर दर्ज करवाई गई है।गोमतीनगर के जोनल मुख्य अभियंता सुशील गर्ग ने बताया कि चिनहट स्थित आनंदी वाटर पार्क के पीछे मौजूद गुरु का पुरवा में अजय ब्रवेरेज नाम से 49 केवीए के वाटर प्लांट के लिए एलटी पर कनेक्शन लिया गया था। अधिशासी अभियंता पवन वर्मा व एपी सिंह की टीम ने जांच के दौरान पाया कि स्मार्ट मीटर से पहले लगने वाले करंट टर्मिनल के तारों को काट कर सीधे बिजली चोरी की जा रही थी। यह वाटर प्लांट गुरु का पुरवा निवासी अजय सिंह का है जिसको कार्तिक कुमार ने किराए पर लिया था। हालांकि, जांच में स्मार्ट मीटर तो बंद मिला,जिसके कारण विद्युत लोड की खपत का अनुमान नहीं हो सका।इस संबंध में कनेक्शन मालिक को नोटिस जारी किया गया है। सबसे बड़ा सवाल है कि एमआरआई बेस बिलिंग के बाद भी कैसे बिजली चोरी की जा रही थी। इस प्रकरण की भी जांच कराई जाएगी।

जिंगल बेल्स स्कूल का सिल्वर जुबली समारोह धूमधाम से संपन्न

स्टाफ, प्रबंधन एवं कर्मचारियों ने मिलकर मनाया गौरवशाली सफर

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। चौपला रोड स्थित जिंगल बेल्स स्कूल ने रविवार को अपने 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भव्य सिल्वर जुबली समारोह का आयोजन किया। इस खास मौके पर स्कूल परिवार में खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम में स्कूल की प्रिंसिपल मिसेज वीना अरोड़ा, वाइस प्रिंसपल ममता चावला, अनीता मदन, रेखा मल्होत्रा, प्राची शर्मा, काजल शुक्ला प्रतिभा कपूर सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहे । वहीं स्कूल के निदेशक नवीन बग्गा अपनी धर्मपत्नी शालिनी बग्गा और पुत्री नविका बग्गा के साथ समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर स्कूल के 25 वर्षों के सफल सफर को याद किया गया और शिक्षा के क्षेत्र में किए गए योगदान पर प्रकाश डाला गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों और विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। सिल्वर जुबली के इस खास मौके पर सभी ने मिलकर स्कूल की उपलब्धियों का जश्न मनाया और भविष्य में भी इसी तरह सफलता के नए आयाम स्थापित करने का संकल्प लिया।

थरूर ने भाजपा पर साधा निशाना, कहा- शून्य सीट वाली पार्टी को गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने केरल विधानसभा चुनाव के बीच भाजपा और सत्तारूढ़ एलडीएफ पर जोरदार हमला बोला है। थरूर ने मतदाताओं से अपील की है कि जो लोग राज्य से वामपंथी सरकार को हटाना चाहते हैं, वे भाजपा को वोट देकर अपना वोट बर्बाद न करें। उन्होंने दावा किया है कि 9 अप्रैल को एलडीएफ का भाग्य तय हो जाएगा और यूडीएफ की जीत का जश्न मनेगा।केरल में चुनावी बिगुल बजते ही राजनीतिक दलों के बीच जुबानी जंग बेहद तेज हो गई है। दिग्गज कांग्रेस नेता शशि थरूर ने भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोला है। थरूर ने मतदाताओं से बेहद सधे हुए अंदाज में एक खास अपील की। शशि थरूर ने कहा कि जिस पार्टी के पास विधानसभा में एक भी सीट नहीं है, उसे चुनाव में एक गंभीर फैक्टर के रूप में नहीं देखा जा सकता।उन्होंने कहा कि जब वे शून्य सीट वाली पार्टी हैं, तो आप उन्हें एक मजबूत विकल्प या फैक्टर के तौर पर गंभीरता से नहीं ले सकते। वे दावा कर रहे हैं कि वे अपना खाता खोलेंगे, भले ही वे अधिकतम एक, दो या तीन सीटें जीत लें। लेकिन इतने भर से केरल के भविष्य में कोई बड़ा बदलाव आने वाला नहीं है।भाजपा पर बर्बाद न करें बेशकीमती वोट- शशि थरूर-%वोट कटवा% की रणनीति पर प्रहार करते हुए

राजनीति: होली-ईद मिलन में बजी 2027 के चुनाव की रणभेरी; शिवपाल और माता प्रसाद पांडेय ने भरा दम

कानपुर के सीसामऊ में आयोजित होली-ईद मिलन समारोह में सपा दिग्गजों ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए बिगुल फूंका और भाजपा सरकार पर तानाशाही व नफरत फैलाने का आरोप लगाया।कानपुर में सीसामऊ विधायक नसीम सोलंकी की ओर से आयोजित पीडीए होली और ईद मिलन समारोह में विधानसभा के आने वाले चुनाव की रणभेरी बजी। मुख्य अतिथि नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि सब लोग संघर्ष के लिए तैयार रहें। अगर भाजपा की सरकार फिर बनी, तो ये नफरत को और बढ़ा देंगे। सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव समेत सभी वक्ताओं ने आगामी विधानसभा चुनाव की ही बात की।इसके साथ ही हाथ उठाकर लोगों को चुनावी तैयारी के लिए संकल्प दिलाया। होली और ईद मिलन का आयोजन सीसामऊ विधानसभा क्षेत्र के राजकीय बालिका इंटर कॉलेज मैदान पर किया गया। इसमें इंडिया गठबंधन के भी नेता मौजूद रहे। वक्ताओं ने पूर्व विधायक इरफान सोलंकी के उत्पीड़न का जिक्र करके अपनी बात शुरू की। नेता प्रतिपक्ष पांडेय ने कहा कि आने वाला समय समाजवादियों का है।नसीम सोलंकी बोले- उप चुनाव की शुरुआत अकेले की थीपार्टी के महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में बजट की लूट है। यह संविधान को नहीं मानते। 10 बार विधायक और दो बार सांसद रहे आजम खां और उनके परिवार को भी नहीं छोड़ा। इंडिया गठबंधन भाजपा की तानाशाही नहीं चलने देगा। इस मौके पर विधायक रागिनी सोनकर ने भी विचार व्यक्त किए। विधायक नसीम सोलंकी ने कहा कि उप चुनाव की शुरुआत उन्होंने अकेले की थी। ये लोग रहे मौजूद- लेकिन कारवां बनता गया। सीसामऊ परिवार का हर शख्स उनके साथ खड़ा हो गया। पूर्व विधायक इरफान ने कहा कि पता था कि उनके साथ इंसाफ होगा। इस मौके पर विधायक अमिताभ बाजपेई, महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद, पूर्व अध्यक्ष अब्दुल मोईन खान, आशीष चौबे, नसीम रजा, अनिल सोनकर, रिंकू सिंह, महानगर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिंटू, उदय द्विवेदी, सिराज हुसैन आदि मौजूद रहे। जेलर ने मुझसे इरफान की शिकायत की-नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने बताया कि वह इरफान सोलंकी से जेल जाकर मिले थे। जेलर ने शिकायत की थी कि सोलंकी कहते हैं कि तुम्हारा घर गिरा देंगे। आप इनको समझाइए। वहीं, शिवपाल सिंह ने कहा कि लोहिया जी कहते थे कि एक पांव जेल में एक रेल में। नेताजी मुलायम सिंह यादव साल में दो बार समाजवादियों को जेल भेजते थे।

संक्षिप्त समाचार

अखिलेश पर पंकज चौधरी का पलटवार, बोले-भ्रष्ट राजनीति करने वालों के मुंह पर तमाचा है नोएडा एयरपोर्ट

अखिलेश यादव के बयान पर पंकज चौधरी ने पलटवार किया। कहा कि भ्रष्ट राजनीति करने वालों के मुंह पर नोएडा एयरपोर्ट एक तमाचा है। सत्ताइस में सपा साफ होगी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा प्रधानमंत्री को मेहमान बताने संबंधी बयान पर यूपी भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि जेवर एयरपोर्ट का उद्घाटन उस डरपोक और भ्रष्ट राजनीति करने वालों के मुंह पर करारा तमाचा है, जिन्होंने नोएडा को सिर्फ अपनी तिजोरी भरने का जरिया बनाया था।चौधरी ने कहा कि पीएम को मेहमान बताने वालों को अच्छी तरह से यह समझ लेना चाहिए कि उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता का हर घर अब पीएम मोदी का अपना घर बन चुका है। प्रदेश की जनता ने मेहमान तो अब उन लोगों को बना दिया है, जो पांच साल में एक बार चुनाव देखकर एसी कमरों से बाहर निकलते हैं और हार दिखने पर संस्कारों का रोना रोते हैं।उन्होंने कहा कि जो कुर्सी जाने के डर से कभी नोएडा की दहलीज लांघने की हिम्मत नहीं जुटा पाए, आज प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उसी नोएडा में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन हुआ है। सत्ताइस में सपा साफ... अखिलेश यादव को नसीहत देते हुए कहा कि आपकी संकुचित सोच विकास की इस ऊंची उड़ान को कभी समझ ही नहीं पाएगी। रही बात विदाई की तो 2027 में प्रदेश की जनता आपकी राजनीति पर परमानेंट फुल स्टॉप लगाकर आपको ससम्मान घर बैठाने के लिए पूरी तरह तैयार है। यानि, सत्ताइस में सपा साफ।

रन फॉर एंपावरमेंट कार्यक्रम का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद / श्रावस्ती जनपद में मिशन शक्ति फेज-05 के द्वितीय चरण के अंत में पुलिस लाइन में रन फॉर एंपावरमेंट कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया जिसके माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं को सशक्तिकरण, सुरक्षा एवं आत्मनिर्भरता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं एवं एनसीसी कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया जिसमें अलक्षेन्द्र इंटर कॉलेज भिनगा से लगभग 30 एनसीसी कैडेट्स तथा कस्तूरबा गांधी विद्यालय, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज भिनगा एवं जनता इंटर कॉलेज पटना खरगौरा सहित अन्य विद्यालयों की छात्राएं- बड़ी संख्या में सम्मिलित रहीं। कार्यक्रम में कुल लगभग 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें छात्राओं का विशेष उत्साह एवं ऊर्जा देखने को मिली। कार्यक्रम के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चंद्र उत्तम, क्षेत्राधिकारी नगर सतीश कुमार शर्मा, क्षेत्राधिकारी इकौना भरत पासवान तथा क्षेत्राधिकारी यातायात आलोक कुमार सिह सहित अन्य अधिकारी /कर्मचारीगण उपस्थित रहे। साथ ही पुलिस परिवार की महिला आरक्षी एवं आरटीसी रिक्रूट्स ने भी सक्रिय रूप- से प्रतिभाग करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी ने उपस्थित छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज की बालिकाएं ही कल का सशक्त समाज निर्मित करेंगी। आत्मविश्वास, शिक्षा और जागरूकता के माध्यम से प्रत्येक बालिका अपने अधिकारों की रक्षा कर सकती है। पुलिस सदैव उनकी सुरक्षा एवं सहयोग के लिए तत्पर है। उन्होंने छात्राओं को निर्भीक होकर आगे बढ़ने तथा किसी भी समस्या की स्थिति में तत्काल पुलिस से संपर्क

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

COVID-19 strikes again, new variant 'Cicada' spreading in 22 countries, including the US; read the symptoms

A new variant of the coronavirus, BA.3.2, nicknamed 'Cicada,' is once again in the news. This variant, part of the older Omicron BA.3 family, is spreading rapidly in many countries, including the US, Europe, and Australia. The new older Omicron BA.3 family. The WHO has once again in the news. Recently, a new variant of colloquially calling it 'Cicada.' Let's learn more variant belongs to a very old Omicron family after a long time, this variant has suddenly hides underground for years and then suddenly variant first appeared in South Africa in late 2024, including the United States, Europe, and Australia. virus because it has undergone numerous changes. compared to its original form and more than 70 situation, it remains a matter of concern for three our body's immune system or vaccine. Rapid behavior: Some new biological changes may occur now, there is no need to panic. Initial research has

coronavirus variant, BA.3.2, nicknamed 'Cicada,' is part of the declared it a 'variant under surveillance.' The coronavirus is COVID-19, named BA.3.2, has emerged. Scientists are about this new variant. Why is it named 'Cicada'? This new (BA.3), which was almost extinct in early 2022. However, now, returned. This is why it has been named Cicada, an insect that emerges. Where did the new variant come from? This new but now the virus is spreading rapidly in many countries, Why is Cicada a cause for concern? Scientists are alert to this Its outer part, the spike protein, shows more than 50 changes changes compared to the original Wuhan virus. In such a reasons - Immunity evasion: It can easily evade the effect of spread: It can spread much faster than older variants. New in the way the virus works. Do we need to be afraid of it? For shown that even though it spreads rapidly, there is currently no evidence that it is more dangerous or deadly than the older Omicron variants. In view of the changes in it, the World Health Organization (WHO) declared it a "Variant Under Monitoring" (VUM) in December 2025.

The joy of becoming a father or the underlying stress? New research reveals the truth about fathers that no one talks about.

According to a study by the Karolinska Institute, depression and stress levels in new fathers increase by 30% approximately one year after the birth of a child, whereas it is generally believed to occur immediately. Depression in responsibilities increase stress - attention to new guest in the home is a joyous moment. health of the child and the mother. People state, but rarely does anyone consider how this the stress and depression of becoming a father immediately, but sneaks up on them months "Everything seems perfect in the early months." JAMA Network Open, revealed this. Nearly one revealing a very interesting finding. During their childbirth, men appeared quite happy and calm. responsibilities with ease. The real picture begins after a year. The study found that after increase by 30 percent compared to pre- even to scientists, as the general perception is does stress gradually increase in fathers? - the baby's arrival gives way to the daily grind. mentally exhausting. A new dimension of husband and wife suddenly transforms into full-

fathers increases after one year - lack of sleep and men's mental health is essential. The arrival of a During this time, people often focus entirely on the generally pay more attention to the mother's mental period affects men. A recent study revealed that also occur in men, but it does not become apparent later. Let's learn more about this study: A study by the Karolinska Institute, published in million fathers in Sweden were monitored, wives' pregnancies and the first few months after They seemed to be handling their new emerges after a year. However, the real change about a year, fathers' levels of depression and stress pregnancy levels. These results were surprising that stress peaks immediately after childbirth. Why Decreasing excitement: The initial excitement of Lack of sleep: Months of sleep deprivation can be relationships: A romantic relationship between a time parenting duties, which can lead to a lack of coordination. Increasing responsibilities: Worries about the child's future and expenses become dominant. It's also important to discuss men's health. Jing Zhou, the study's lead researcher, says that while fathers may be happy, they also struggle to balance fatigue with stress. This is why their happiness in the early months often masks the stress brewing within. Therefore, men's mental health should be given equal importance, just like women's. Fathers, not just mothers, can also become exhausted during this parenting journey, and their mental health is equally important.

Have you found your soulmate? Identify these six signs in a relationship.

We often hear about soulmates in movies or books. Understanding your partner's feelings without saying anything. You're completely real with them - both have similar visions for the future. Falling in love is one thing, but feeling that deep, spiritual connection with someone is quite another. Is there someone in real life who is truly made for us? If you're in a relationship and wondering if your partner is your soulmate, these six signs in a relationship can help you find the answer. Falling in love is one thing, but feeling that deep, spiritual connection with someone is quite another. Is there someone in real life who is truly made for us? If you're in a relationship and wondering if your partner is your soulmate, these six signs can help you find the answer. You can be completely "real" in front of them. When you're with your soulmate, you don't have to pretend to be perfect. You can cry, act crazy, or even be in a bad mood without hesitation. They love your strengths as well as your weaknesses. You don't fear being judged. Even fights don't tear you apart - every relationship has arguments and conflicts, but when you've found your soulmate, conflict doesn't weaken your relationship. They respect you even during difficult times or arguments. Instead of fighting against each other, you both work together as a team to overcome problems. You see your own happiness in their happiness. When your partner achieves a major success, do you feel the same joy within as when you achieve it yourself? Yes, there's no room for jealousy between soulmates. They become each other's biggest cheerleaders and constantly motivate each other to move forward. A strange sense of peace and tranquility - It's often said that falling in love makes your heart beat faster and butterflies flutter in your stomach, but when you find your soulmate, this restlessness is replaced by a deep sense of peace. When you hug them or just sit next to them, you feel as if you're at home, completely safe and calm. Similar vision for the future - Even though you may have different likes and dislikes (for example, you like movies and they like books), you share a common perspective on major life decisions. You both share the same path when it comes to family, finances, careers, or your outlook on life. You dream of your future together. Remember, no person or relationship is 100% perfect. Being soulmates doesn't mean you'll never face any difficulties, but rather, you'll happily face them hand in hand.

These questions related to 'Dhurandhar 2' were asked in the 12th grade Accounts exam. Do you know the answers?

The craze for 'Dhurandhar 2' is now being seen in exams beyond theaters. A photo of the 12th grade Accounts exam question paper, featuring character-related questions, has gone viral on social media. The questions in the characters from the film, and funny extent to which audiences are 'Dhurandhar: The Revenge' can be The film has crossed the ?1000 crore week. Ranveer Singh's powerful now 'Dhurandhar: The Revenge' has picture is rapidly going viral on social 'Dhurandhar 2' have been asked in shines in the 12th class Accounts exam related to the characters of class Accounts exam. Screenshots of social media. The first question asked and Yalina Jamali share the losses retires from the business, what will question paper also has four options, 3:5 Pass the necessary journal entry relates to Ajay Sanyal and Sushant Bansal are partners in a firm. They Alam contributes ?100,000 as capital journal entry." Questions also relate

12th grade Accounts exam were based on the reactions have gone viral on social media. The enamored with Aditya Dhar's spy thriller film gauged from the movie's box office collection. mark at the worldwide box office in just one dialogues were already on everyone's lips, but also made its mark in the education world. A media, in which questions related to the 12th class Accounts paper. 'Dhurandhar 2' - According to a report in Mid-Day, questions 'Dhurandhar 2' have been added to the 12th this Accounts question paper are going viral on in it is: "Jamil Jamali, SP Chaudhary, Aslan and profits equally in a firm. If SP Chaudhary be the new profit sharing ratio?" This viral which are as follows: A) 1:1 B) 2:3 C) 7:8 D) - The second question in the viral screenshot Bansal. It reads, "Ajay Sanyal and Sushant add Mohammad Alam as their new partner. and ?50,000 as goodwill. Pass the necessary to Rehman Dakat and Hamza Ali - This accounts paper also provides details regarding profit sharing between Hamza Ali Mazari and Rehman Dakat. Another section also mentions a date associated with Rehman's character. Fans of the film were surprised to see this viral 12th board exam paper. People's funny reactions on social media - One user shared it and wrote, "Accounting is always interesting." Another user jokingly wrote, "Looks like the examiner is a big fan of Dhurandhar." Another user wrote, "The examiner has definitely seen both Dhurandhar 1 and 2 together."

Why did Sonu Sood reject Salman Khan's Dabangg 2? He even made changes to the script of 'Dabangg'.

Sonu Sood played a memorable villain in Salman Khan's 'Dabangg', but he didn't appear in its sequel. Now, the actor has revealed why he rejected Dabangg 2. Why did Sonu Sood reject 'Dabangg 2'? Years later, the actor first part as well. Sonu Sood may be on screen, he has played some of Hindi these roles is Chhedi Singh in turned it down. He made changes in initially turned down the film because Then, after several conversations with change. Sonu explained that he role, making it more interesting and 'Dabangg' because I didn't understand director and suggested some changes. the character; we even added some fun." Why did Sonu turn down 'Dabangg', he chose to stay away from that despite Salman Khan and Arbaaz understand or connect with the film's Salman and Arbaaz wanted me to this film, I didn't understand it well... I feeling. I told them I didn't understand improve much, so I declined and wished

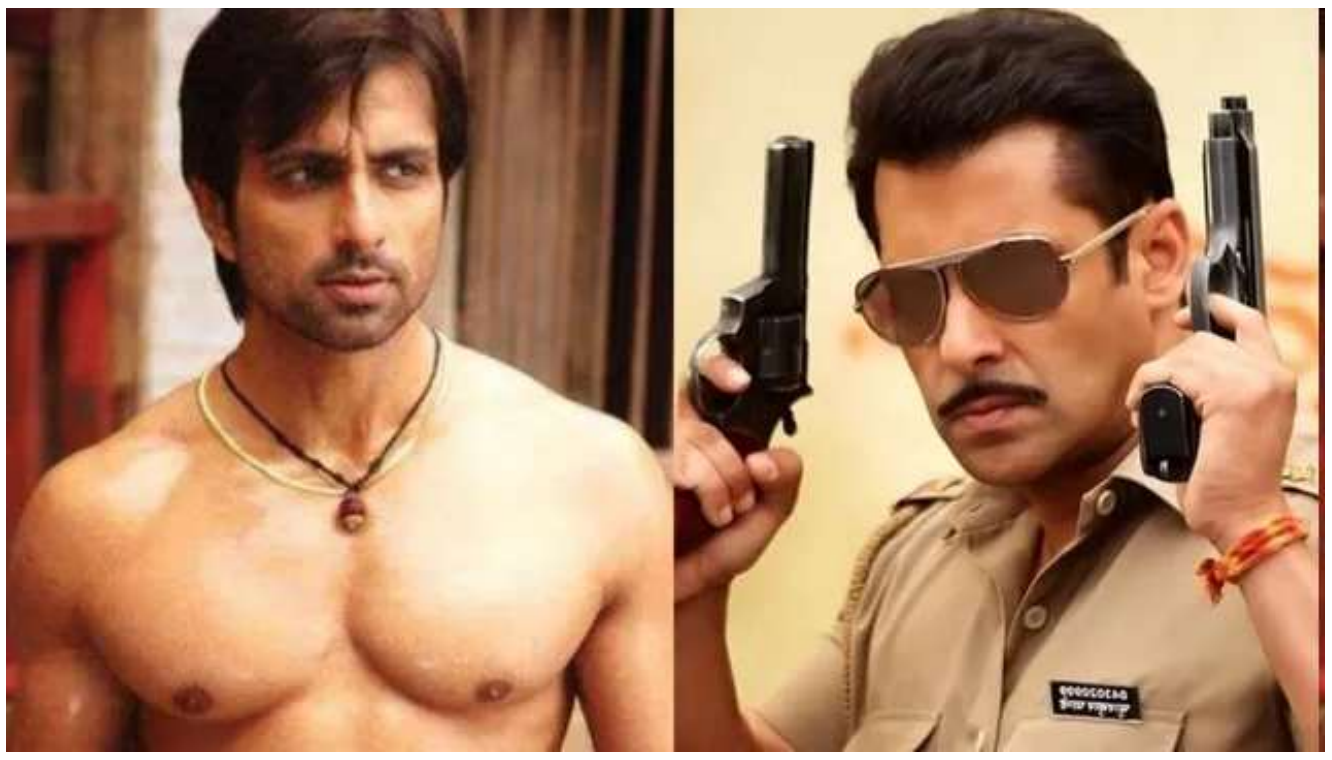

reveals the reason: he made changes to the known for his helpful attitude in real life, but cinema's most memorable villains. One of 'Dabangg', but interestingly, the actor almost 'Dabangg'. Recently, Sonu revealed that he he couldn't fully connect with the character. director Abhinav Kashyap, things began to worked with the filmmaker to revamp the fun. Sonu explained, "I initially turned down the character well. Then I sat down with the We sat down and made a lot of changes to humor, and that's how the character became 'Dabangg 2'? Even though Sonu worked in its sequel, 'Dabangg 2'. The actor explained Khan's insistence, he couldn't fully script. He explained, "For 'Dabangg 2,' work in it." When I first heard the script for felt I should be clear and express what I was the role... I knew I wouldn't be able to them luck. Prakash Raj ultimately played the villain in Dabangg 2. Both films received immense love from the audience. Comedy Action starred actors like Salman Khan, Arbaaz Khan, Sonakshi Sinha, Vinod Khanna, and Prakash Raj.

"Yes, I didn't smoke..." Why is Paresh Rawal being praised amid the success of Dhurandhar 2? The actor responded.

Amidst the success of Dhurandhar 2, Paresh Rawal is in the news for his role inspired by Ajit Doval in his film "Uri: The Surgical Strike." A user praised his acting and mentioned that he doesn't smoke cigarettes. "Paresh Rawal played a character inspired by Ajit Doval in 'Uri'," Rawal gave a humorous reply to the user's tweet. The actor is also continuously supporting Dhurandhar 2. Aditya Dhar's directorial venture, Dhurandhar 2, is currently receiving widespread praise. R Madhavan played the role of Ajay Sanyal in the first and second parts of the movie. His role in the film is also receiving widespread praise. Why is Paresh Rawal suddenly in the news? - Meanwhile, Paresh Rawal's name has also suddenly come into the news. Let's find out why. Paresh Rawal played the role of Govind Bhardwaj in Uri: The Surgical Strike, which was inspired by National Security Advisor Ajit Doval. Madhavan also played a role based on Ajit Doval's character in the film. On Friday, a user shared a photo of Paresh Rawal watching the film 'Uri' and praised his acting. Paresh Rawal reacted to this. What was the actor's response? - The user tweeted, "I really liked Sir Paresh Rawal as Ajit Doval in the film 'Uri: The Surgical Strike'! The only drawback was that he was not shown smoking a cigarette in the film." Replying to this user, Rawal wrote, "Yes, I did not smoke cigarettes, I just broke phones." Reacting to this tweet, a user wrote, "Doval Sir, you had quit smoking during Uri. A short break for health." Another user asked, "Sir, would you like to be a part of a film like Dhurandhar or Dhurandhar 2?" Paresh Rawal supporting Dhurandhar 2 - Let us tell you that even though Paresh Rawal was not a part of the film, he has been showing his support for the movie. Recently, an RJ had shared a video about the film, on which Paresh Rawal reprimanded him.